संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 62
पृष्ठ 8
बुधवार
20 नवम्बर 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक–उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध– दिनभर नहीं लगती है.... विचार– सुलगता मणिपुर, बेपरवाह..... खेल– 'न्यूजीलैंड के खिलाफ....

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ की एक महत्वपूर्ण बैठक, बोले –

सुशासन को समर्पित होगा वर्ष 2025

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को शासन स्तर के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक में भावी कार्यक्रमों पर चर्चा की और आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। बैठक में मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि आगामी वर्ष 2025 अत्यंत महत्वपूर्ण होने जा रहा है। यह वर्ष भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के अवसर पर जनजातीय गौरव वर्ष के रूप में मनाया जाना है, तो यह लौहपुरुष सरदार पटेल की 150 वीं जयंती का भी वर्ष है। एक ओर जहां हम संविधान अंगीकार करने का अमृत महोत्सव मनाएंगे, वहीं लोकतंत्र की हत्या 'आपातकाल' के 50 वर्ष पूरे होने पर लोगों को जागरूक भी किया जाना है। लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर जी की 300वीं जयंती भी इसी वर्ष मनाई जाएगी। 2025 का यह वर्ष पूर्व प्रधानमंत्री अटल

बिहारी वाजपेयी का जन्मशताब्दी वर्ष है तो इसी वर्ष हमें जीरो पॉवर्टी का लक्ष्य भी पूरा करना है। यह पूरा वर्ष अंत्योदय से सर्वोदय, राष्ट्रीय एकता और सुशासन की परिकल्पना को समर्पित होगा। इनके दृष्टिगत पूरे वर्ष आयोजन किये जाएंगे। 26 दिसंबर 2024 से प्रारंभ हो रहे 'संविधान के अमृत महोत्सव वर्ष' की शुरुआत पर राजधानी लखनऊ में शासन स्तर के साथ–साथ सभी सरकारी संस्थानों, विभागों, कार्यालयों, विद्यालयों, विश्वविद्यालयों में संविधान की प्रस्तावना का वाचन करते हुए संविधान के प्रति निष्ठा की शपथ ली जानी चाहिए। स्कूल और कॉलेजों में निबंध और डिबेट आदि प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएं। संसदीय कार्य विभाग इसका नोडल विभाग होगा। पूरे वर्ष होने वाले कार्यक्रमों की विस्तृत कार्ययोजना यथाशीघ्र जारी कर दी जाए। प्रयागराज महाकुम्भ में पूरी दुनिया से लोगों का आगमन होगा। यह दुनिया के लिए भारत को जानने, समझने

● पूरे वर्ष होने वाले कार्यक्रमों की विस्तृत कार्ययोजना यथाशीघ्र जारी कर दी जाए।

का सुअवसर है। महाकुम्भ में भारतीय संविधान पराधारित 'संविधान गैलरी' तैयार कराई जाए। यहां संविधान सभा के गठन चर्चा–परिचर्चा, संविधान के बनने की पूरी प्रक्रिया को ऑडियो–विजुअल माध्यम से प्रदर्शित किया जाए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में डबल इंजन सरकार जनजातीय समाज की संस्कृति के संरक्षण और जनजातीय समाज के कल्याण के लिए समर्पित भाव से कार्य कर रही है। बलरामपुर के इमिलिया कोडर में जनजातीय संग्रहालय भी स्थापित किया गया है जबकि दो और संग्रहालय भारत सरकार द्वारा स्थापित कराए जा रहे हैं। महाकुम्भ में भगवान बिरसा मुंडा पर और प्रदेश की जनजातीय संस्कृति, सरकार के प्रयासों पर केंद्रित विशेष गैलरी बनाया जाए। अटल जी की जन्मशताब्दी के अवसर पर विश्वविद्यालयों में अटल शोध पीठ तथा सुशासन पीठ की स्थापना कराई जानी चाहिए। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा इसमें आवश्यक कार्यवाही की जाए। इसी प्रकार, सरदार पटेल की 150वीं जयंती वर्ष में राष्ट्रीय एकता को प्रोत्साहित करते हुए पूरे वर्ष विविध कार्यक्रमों के माध्यम से मनाया जाना चाहिए। गृह विभाग इसका नोडल विभाग होगा। लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर जी की 300वीं जयंती को पूरे प्रदेश में बड़े स्तर पर मनाया जाना चाहिए। आक्रांताओं के कालखण्ड में किस प्रकार अहिल्याबाई ने भारतीय सांस्कृतिक चेतना को पुनर्जीवन दिया, इससे नई पीढ़ी को परिचित कराया जाना चाहिए।

खरगे, राहुल, प्रियंका ने इंदिरा गांधी को जयंती पर किया नमन

● 'दादी हिम्मत और मोहब्बत की मिसाल', इंदिरा के लिए राहुल का भावुक पोस्ट

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की 107वीं जयंती पर आज उनकी समाधि शक्ति स्थल जाकर उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए पुष्पांजलि अर्पित की। बाद ने श्री खरगे ने इंदिरा गांधी के एक उद्धरण के साथ उन्हें याद करते हुए कहा 'हमने विश्वास किया है और हम अब भी विश्वास करते हैं कि स्वतंत्रता अविभाज्य है कि शांति अविभाज्य है, कि आर्थिक समृद्धि अविभाज्य है।' उन्होंने अपने संदेश में पूर्व प्रधानमंत्री को नमन करते हुए कहा 'करोड़ों भारतीय 'भारत की लौह महिला' श्रीमती इंदिरा गांधी के जीवन से

प्रेरणा लेते रहेंगे। इंदिरा गांधी आजीवन संघर्ष, साहस और गतिशील नेतृत्व की प्रतीक थीं जिन्होंने निस्वार्थ भाव से राष्ट्र निर्माण में योगदान दिया। उन्होंने भारत की एकता और अखंडता की रक्षा के लिए अपना जीवन बलिदान कर दिया। उनकी जयंती पर हमारी विनम्र श्रद्धांजलि।' श्री गांधी ने अपनी दादी को याद करते हुए एक तस्वीर भी साझा की जिसमें वह खुद और प्रियंका अपनी दादी की गोद में है। उन्होंने तस्वीर पोस्ट करते हुए कहा दादी हिम्मत और मोहब्बत दोनों की मिसाल थीं। उन्हीं से मैंने सीखा है कि निडर होकर देशहित के रास्ते पर चलते रहना असली ताकत है। उनकी यादें मेरी शक्ति हैं जो हमेशा मुझे राह दिखाती हैं। श्रीमती वाड्रा ने कहा श्मेरी दादी श्रीमती इंदिरा गांधी जी अपने चुनाव अभियान की शुरुआत हमेशा महाराष्ट्र के नंदुरबार से करती थीं। वे मानती थीं कि आदिवासी समाज की संस्कृति सबसे अच्छी और अनूठी है क्योंकि वह प्रकृति का सम्मान और संरक्षण करती है।

मलयालम अभिनेता सिद्दीक़ी को सुप्रीम कोर्ट से राहत, रेप से जुड़े केस में दी अग्रिम ज़मानत

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को मलयालम अभिनेता सिद्दीकी को एक अभिनेत्री द्वारा 2016 की घटना में उनके खिलाफ दर्ज कथित यौन उत्पीड़न के मामले में अग्रिम जमानत दे दी। न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने कहा कि अनुभवी अभिनेता को अपना पासपोर्ट जमा करना होगा और जांच में जांच अधिकारी के साथ सहयोग करना होगा। यह शिकायत न्यायमूर्ति हेमा आयोग की रिपोर्ट का नतीजा थी, जिसमें मलयालम सिनेमा में महिला कलाकारों द्वारा सामना किए जाने वाले यौन उत्पीड़न और भेदभाव का विवरण दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मामले में शिकायत 2016 में हुई कथित घटना के आठ साल बाद अगस्त में दर्ज की गई थी। 30 सितंबर को अदालत ने सिद्दीकी को मामले में गिरफ्तारी से अंतरिम राहत दी थी। केरल पुलिस ने सिद्दीकी की ओर से जांच में सहयोग की कमी का आरोप लगाया है। केरल पुलिस की विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने अपनी स्थिति रिपोर्ट में आरोप लगाया है कि दिग्गज अभिनेता जांच में बाधा डाल रहे हैं और उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट डिलीट करने के अलावा इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को भी नष्ट कर दिया है। 24 सितंबर को केरल उच्च न्यायालय ने बलात्कार मामले में सिद्दीकी की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी और कहा कि आरोपों की गंभीरता को देखते हुए, अपराध की उचित जांच के लिए उसकी हिरासत में पूछताछ अपरिहार्य थी।

वोटिंग से पहले महाराष्ट्र में हो गया हंगामा, बीजेपी नेता पर लगा पैसे बांटने का आरोप

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए मतदान से एक दिन पहले विरार में हाई वोल्टेज ड्रामा हुआ, जब बीजेपी नेता विनोद तावड़े की मौजूदगी में बीवीए और बीजेपी कार्यकर्ता आपस में भिड़ गए। बीजेपी के महासचिव तावड़े पर प्रतिद्वंद्वी बीवीए ने वोट के बदले नकदी बांटने का आरोप लगाया है। बीजेपी और बीवीए कार्यकर्ताओं के बीच हुए हंगामे का वीडियो इंटरनेट पर सामने आया है। बीवीए नेताओं का आरोप है कि बैठक में विनोद तावड़े बीजेपी कार्यकर्ताओं को 5 करोड़ रुपये बांट रहे थे। नेताओं का दावा है कि पुलिस को एक डायरी मिली है

जिसमें पैसे बांटने की नोटिंग है। नालासोपारा निर्वाचन क्षेत्र, जिसका प्रतिनिधित्व वर्तमान में बीवीए विधायक क्षितिज ठाकुर कर रहे हैं, में भाजपा के राजन नाइक और कांग्रेस के संदीप पांडे के बीच मुकाबला है। 2019 में अपने तीन विधायकों के साथ महायुति को बीवीए के पिछले समर्थन के बावजूद, बीवीए अध्यक्ष हितेंद्र ठाकुर ने अभियान बंद होने के बाद विरार में एक 'बाहरी' राजनेता की उपस्थिति पर सवाल उठाया। बीवीए सदस्यों के अनुसार, उन्हें तावड़े द्वारा मनवेलपाड़ा के विवंत होटल में एक बैठक आयोजित करने की जानकारी मिली, जहां नाइक और स्थानीय भाजपा नेता मौजूद थे। कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि उन्होंने तावड़े को उपस्थित लोगों को पैसे बांटते हुए देखा। ठाकुर ने दावा किया कि तावड़े के पास 5 करोड़ रुपये और नाम वाली दो डायरियां हैं। बीवीए ने आरोप लगाया कि होटल का मुख्य द्वार बंद था जबकि तावड़े अंदर बैठक कर रहे थे। बीवीए ने नालासोपारा निर्वाचन क्षेत्र के सभी 507 मतदान केंद्रों पर वेबकास्टिंग को लेकर चिंता जताई है। इस क्षेत्र में पालघर जिले के दो महत्वपूर्ण मतदान केंद्रों में से एक शामिल है। वसई निर्वाचन क्षेत्र में, ठाकुर का मुकाबला भाजपा उम्मीदवार स्नेहा दुबे से है। वसई में 93: बूथों पर वेबकास्टिंग हो चुकी है। ठाकुर ने दावा किया कि तावड़े ने फोन करके विरार में अपनी मौजूदगी के लिए माफी मांगी।

मोदी ने छह नेताओं से की द्विपक्षीय मुलाकात

रियो डि जनेरियो, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यहां जी–20 शिखर सम्मेलन के इतर इंडोनेशिया, पुर्तगाल, नॉर्वे, इटली, फ्रांस और ब्रिटेन के नेताओं के साथ द्विपक्षीय मुलाकात की और भारत के साथ इन देशों के द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने के उपायों पर चर्चा की। विदेश मंत्रालय ने इसकी जानकारी साझा की। श्री मोदी ने इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो से मुलाकात में उन्हें भारत के पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया। दोनों नेताओं ने मौजूदा क्षेत्रों में भारत इंडोनेशिया व्यापक रणनीतिक साझीदारी को और मजबूत करने के साथ–साथ इसे नए क्षेत्रों में विस्तारित करने के लिए मिलकर काम करने के तरीकों पर चर्चा की। श्री मोदी ने इसके बाद पुर्तगाल के प्रधानमंत्री लुइस मोंटेनेग्रो से मुलाकात की।

दोनों पक्षों ने अर्थव्यवस्था, नवीकरणीय ऊर्जा, रक्षा और लोगों से लोगों के संबंधों और बहुपक्षीय मंचों पर सहयोग सहित द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने पर विचार–विमर्श किया। श्री मोदी की नॉर्वे के पीएम जोनास गहर स्टोर से मुलाकात में दोनों पक्षों ने भारत–नॉर्वे द्विपक्षीय संबंधों को गहरा करने के तरीकों पर चर्चा की जो विशेष रूप से भारत–ईएफटीए–टीईपीए पर हस्ताक्षर के बाद व्यापार और आर्थिक सहयोग पर केंद्रित थी। दोनों नेताओं ने भू–राजनीतिक मुद्दों पर भी विचारों का आदान–प्रदान किया। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने रियो में जी–20 ब्राजील शिखर सम्मेलन में भाग ले रहीं इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी से भी मुलाकात की। दोनों नेताओं ने लंबे समय से चले आ रहे भारत इटली द्विपक्षीय संबंधों को और आगे बढ़ाने और गति देने के लिए भारत–इटली संयुक्त रणनीतिक कार्य योजना 2025–29 का स्वागत किया।

क्या दिल्ली में होगी ऑड-ईवन की वापसी?

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी में बिगड़ती वायु गुणवत्ता के बीच, दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि सरकार वायु प्रदूषण से निपटने के लिए सभी आवश्यक उपाय कर रही है और विशेषज्ञों की सलाह के बाद और आवश्यकताओं के आधार पर सम–विषम वाहन योजना सहित अतिरिक्त कदम लागू करेगी। उन्होंने कहा कि हम ऑड–ईवन पर भी चर्चा कर रहे हैं लेकिन अब एक्सपर्ट्स कह रहे हैं कि हमने इतनी पाबंदियां लगा दी हैं तो लोग अब विचार कर रहे हैं कि इसका कितना असर होगा। दिल्ली की वायु गुणवत्ता खतरनाक स्तर तक गिर गई, जिससे लोगों को आंखों में खुजली और गले में खराश के साथ सांस लेने में दिक्कत हुई, क्योंकि AQI 494 पर था, जो पिछले छह वर्षों में दूसरा सबसे खराब था।

प्रधानमंत्री को हठ छोड़कर मणिपुर का दौरा करना चाहिए : चिदंबरम

मदुरै, एजेंसी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री पी चिदंबरम ने मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अपना हठ छोड़कर मणिपुर का दौरा करना चाहिए और राज्य के लोगों से विनम्रता से बात करने के साथ ही उनकी शिकायतों और आकांक्षाओं को सीधे जानना चाहिए। श्री चिदंबरम ने श्एक्सश पर अपने पोस्ट में कहा, "मणिपुर संकट का समाधान 5,000 और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस जवानों को भेजना नहीं है। यह स्वीकार करना अधिक समझदारी है कि मणिपुर के मुख्यमंत्री बीरेन सिंह इस संकट के कारण

हैं और उन्हें तत्काल हटा देना चाहिए।" उन्होंने आगे कहा कि यह अधिक समझदारी है कि मैतेई, कुकी–जो और नागा एक राज्य में एक साथ तभी रह सकते हैं, जब उनके पास वास्तविक क्षेत्रीय स्वायत्तता हो। पिछले साल मई से इम्फाल घाटी में रहने वाले मीतई और आसपास के पहाड़ी इलाकों में रहने वाले कुकी–जो समुदायों के बीच नौकरियों और शिक्षा में सरकारी अनुदान और कोटा को लेकर जातीय हिंसा में 200 से अधिक लोग मारे गए हैं और हजारों लोग विस्थापित हुए हैं। हिंसा की घटनाओं में वृद्धि के बीच मणिपुर सरकार ने केंद्र से सशस्त्र बल (विशेष शक्तियां) अधिनियम की समीक्षा करने और उसे वापस लेने का अनुरोध किया है।

आतंकी नजीर अहमद वानी को एटीएस और पुलिस की टीम ने श्रीनगर से किया गिरफ्तार

श्रीनगर, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले के देवबंद में अगस्त, 1993 में हुए बम धमाकों के मुख्य आरोपी नजीर अहमद वानी को 31 वर्ष बाद एटीएस और पुलिस की टीम ने श्रीनगर से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) सागर जैन ने बताया कि आतंकवादी निरोधक दस्ते (एटीएस) और देवबंद पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में देवबंद में हुए बम धमाकों के आरोपी को जम्मू–कश्मीर से रविवार को गिरफ्तार कर लिया गया है। अधिकारी ने बताया कि उसकी तलाश में एटीएस और पुलिस के दल लगे हुए थे। उन्होंने कहा कि वह पिछले 31 वर्ष से सबको चकमा देकर अपना नाम और वेशभूषा बदलकर इधर–उधर रह रहा था। सागर जैन ने बताया कि वर्ष 1992 में अयोध्या में विवादित ढांचा गिराये जाने के बाद पूरे देश में साम्प्रदायिक दंगे हुए थे और उस दौरान देवबंद में भी कई स्थानों पर साम्प्रदायिक हिंसा हुई थी। उन्होंने कहा कि इस हिंसा के दौरान अगस्त 1993 में शहर में पुलिसकर्मियों पर बमों से हमला किया गया था।

मणिपुर हिंसा: एनपीपी के 27 विधायकों की मीटिंग, 7 दिन में कुकी उग्रवादियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई का प्रस्ताव पास

नई दिल्ली, एजेंसी। मणिपुर में बढ़ते तनाव के बीच राज्य में भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए के 27 विधायकों ने जिरीबाम जिले में हाल की हत्याओं के लिए जिम्मेदार कुकी उग्रवादियों के खिलाफ सामूहिक अभियान चलाने का आह्वान करते हुए एक प्रस्ताव अपनाया है। बैठक में विधायकों ने तीन महिलाओं और तीन बच्चों की मौत के बाद सात दिनों के भीतर तत्काल कार्रवाई की मांग की। प्रस्ताव में कुकी उग्रवादियों को सात दिनों के भीतर गैरकानूनी संगठन घोषित करने और मामले को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को सौंपने का भी आह्वान किया गया। विधायकों ने केंद्र से 14 नवंबर को जारी निर्देश के अनुसार क्षेत्र में सशस्त्र बल (विशेष शक्तियां) अधिनियम (एएफएसपीए) लगाने की समीक्षा करने का भी आग्रह किया है।

आम निवेशकों का माधवी बुच के नेतृत्व वाले सेबी से घट रहा है विश्वास : राहुल

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को कहा कि प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) की विश्वसनीयता को इसकी प्रमुख माधवी बुच के कारण धक्का लग रहा है और इसकी वास्तविकता की पड़ताल को लेकर वह विभिन्न क्षेत्र के प्रमुख लोगों से समय–समय पर बात करते हैं। कांग्रेस नेता ने आज कहा कि इस एपीसोड में उन्होंने पार्टी के संचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा तथा अनुभवी पत्रकार सुचेता

दलाल के साथ गहन विचार विमर्श किया है जिसमें यह तथ्य सामने आया है कि श्रीमती बुच के नेतृत्व में आम निवेशकों का सेबी पर विश्वास घट गया है। श्री गांधी ने कहा, 'बुच स्टॉप्स हियर' के इस एपिसोड में, मैंने पवन खेड़ा और अनुभवी पत्रकार सुचेता दलाल के साथ बैठकर चर्चा की है कि किस तरह एकाधिकार को बढ़ावा देने वाली प्रणाली द्वारा खुदरा निवेशकों को कुचला जा रहा है। यह बातचीत माधबी बुच के नेतृत्व में सेबी की विफलता पर प्रकाश डालती है।

शाह ने गांधीनगर में किया 'फिला विस्टा-2024' का उद्घाटन

गांधीनगर, एजेंसी। केंद्र सरकार ने संविधान दिवस से पहले (26 नवंबर) सजा का एक तिहाई हिस्सा काट चुके कैदियों को न्याय देने का संकल्प लिया है। गृह मंत्री अमित शाह ने गुजरात की राजधानी गांधीनगर में आयेजित 50वें अखिल भारतीय पुलिस विज्ञान सम्मेलन को संबोधित करते हुए आज यह बात कही। अमित शाह ने गांधीनगर डाक टिकट प्रदर्शनी 'फिला विस्टा 2024' का उद्घाटन भी किया। इसके अलावा वह दांडी कुटीर संग्रहालय भी गए। गृह मंत्री ने कहा, न्यायालयों, अभियोजकों और पुलिस को अपने

● सजा का एक तिहाई हिस्सा काट चुके कैदियों को संविधान दिवस से पहले न्याय

कर्तव्यों में तेजी लाने के लिए बाध्य करने वाले लगभग 60 प्रावधानों की शुरूआत के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा, हमने यह भी तय किया है कि यदि एक निश्चित अवधि के बाद ट्रायल नहीं चल रहा है, तो कुछ अपराधों को छोड़कर जो बहुत गंभीर नहीं हैं, जेल अधिकारी को खुद

जमानत प्रक्रिया अदालत के अंदर पेश करनी होगी। अमित शाह ने बताया, सरकार का प्रयास है कि संविधान दिवस से पहले देश की जेलों में एक भी कैदी ऐसा न हो जिसने अपनी एक तिहाई सजा काट ली हो और उसे अभी तक न्याय न मिला हो। उन्होंने कहा, पुलिस को जवाबदेह बनाने के लिए बहुत काम किया गया है। यही नहीं, पुलिस को ताकत देने के लिए भी बहुत काम किया गया है। गृह मंत्री ने बताया कि भारत के संविधान को अपनाने के उपलक्ष्य में संविधान दिवस हर साल 26 नवंबर को मनाया जाता है। इस दिन संविधान के आदर्शों और सिद्धांतों पर प्रकाश डाला जाता है और उनकी पुष्टि की जाती है। उन्होंने कहा, यह हमारे संस्थापक पिताओं के योगदान को सम्मान और मान्यता देता है। अमित शाह ने अपने संबोधन में साइबर अपराध, सीमा सुरक्षा, अवैध ड्रोन उपयोग, नशीले पदार्थों और डार्कनेट के दुरुपयोग जैसी वैश्विक चुनौतियों का समाधान खोजने की आवश्यकता पर भी जोर दिया,

श्रीकृष्ण जन्मभूमि मामले में पक्षकार आशुतोष पांडेय को जाने से मारने की धमकी, जीआरपी थाने मे दी तहरीर

प्रयागराज। मथुरा श्रीकृष्ण जन्मभूमि व शाही ईदगाह विवाद मामले के पक्षकार आशुतोष पांडेय के फोन पर जान से मारने की धमकी मिली है। धमकी उस समय मिली जब वह ट्रेन में थे और दिल्ली से प्रयागराज आ रहे थे। उन्होंने प्रयागराज जंक्शन पर पहुंचकर जीआरपी थाने में अज्ञात बदमाशों के खिलाफ तहरीर दी है। पुलिस मामले की छानबीन में जुटी है। उनको धमकी व्हाट्स एप के वॉयस मैसेज के माध्यम से मिले हैं। उनके धमकी देने के साथ ही हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट को भी बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। बता दें कि श्री कृष्ण जन्म भूमि मामले के पक्षकार आशुतोष पांडेय 19 नवंबर को श्री कृष्ण जन्मभूमि मामले में होने वाली सुनवाई में शामिल होने के लिए दिल्ली से ट्रेन से प्रयागराज आ रहे थे, इसी दौरान उनके मोबाइल फोन पर धमकी भरे वॉइस मैसेज आए। उन्होंने वीडियो जारी कर घटना की जानकारी दी। उनका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से प्रसारित हो रहा है। श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति निर्माण ट्रस्ट के अध्यक्ष और जन्मभूमि–शाही ईदगाह केस में वाद दायर करने वाले आशुतोष पांडेय के अनुसार वॉइस मैसेज पाकिस्तान के नंबर से आया है। यह मैसेसे सोमवार रात 1रू37 से 1रू40 बजे के बीच पाकिस्तान के नंबर से धमकी भरे 6 वॉइस मैसेज आए। आशुतोष पांडेय को वॉट्सऐप पर सोमवार रात 1रू37 से 1रू40 बजे के बीच पाकिस्तान के नंबर से धमकी भरे 6 वॉइस मैसेज आए। इसके बाद 2.36 बजे वॉट्सऐप कॉल कर धमकी दी गई। आशुतोष का दावा है कि पाकिस्तान के नंबर से धमकी भरे छह मैसेज आए। जिसमें कोई कह रहा है कि हाईकोर्ट को क्या, तेरे सुप्रीम कोर्ट को भी उड़ा देंगे। तुम्हारे में दम नहीं है। 19 नवंबर को तुझे बताएंगे, बम धमाके करेंगे। हाईकोर्ट में तुझे बम से उड़ा देंगे। मथुरा, दिल्ली... हिंदुस्तान के सभी बड़े मंदिरों को उड़ा देंगे। इसके बाद 3.02 बजे मैसेज भेजा, जिसमें लिखा– 19 नवंबर की सुबह पहले प्रयागराज स्टेशन और फिर हाईकोर्ट को उड़ाएंगे। आशुतोष के अनुसार, 13 नवंबर की रात 9.36 बजे वॉट्सऐप पर 22 ऑडियो रिकॉर्डिंग मिली थी। यह सभी पाकिस्तान के नंबर 92 302 9854231 से भेजी गई थीं।

जब रिकॉर्डिंग को सुना तो उसमें हाईकोर्ट और उनको बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। इसके अलावा रिकॉर्डिंग भेजने वाले ने अपशब्द कहे, धमकियां दीं। आशुतोष को पहले भी मिल चुकी है धमकी आशुतोष पांडेय को इसके पहले भी कई बार धमकी मिल चुकी है। इस मामले में उन्होंने मुकदमा दर्ज करा रखा है। फतेहपुर, कौशाम्बी समेत कई जनपदों में उन्होंने धमकी का मुकदमा दर्ज कराया है। सोमवार की रात फिर धमकी मिली है। यह मुकदमा जीआरपी थाने में दर्ज करने के लिए तहरीर दी गई है। आशुतोष मूल रूप से शामली जिले के निवासी हैं।

दुष्कर्म मामले में आरोपी को फंसाने की एसपी जालौन करें जांच, हाईकोर्ट ने दिया आदेश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एसपी को दुष्कर्म मामले में आरोपी को गलत तरीके से फंसाने की जांच करने का आदेश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति अरुण कुमार सिंह देशवाल की अदालत ने दिया। कोर्ट ने जिला न्यायाधीश जालौन को अदालत के कर्मचारियों की संलिप्तता की जांच का आदेश भी दिया। कोर्ट

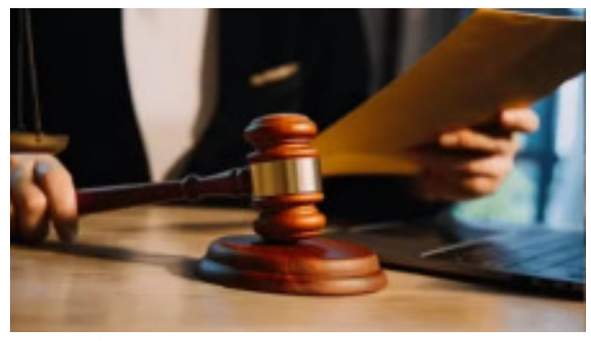

ने कहा है कि मामले की जांच करते समय पुलिस अधीक्षक वकालतनामे पर विपक्षी के हस्ताक्षर की जांच कर रिपोर्ट अगली तारीख 12 दिसंबर को पेश करें। तब तक मुकदमे की कार्यवाही पर कोर्ट ने रोक लगा दी है। अपीलार्थी उमा शंकर यादव पर दुष्कर्म व पॉक्सो में मामला दर्ज किया गया था। याची ने इसे चुनौती देते हुए ट्रायल कोर्ट के आदेश को रद्द करने की मांग की। याची के वकील ने दलील दी कि पीड़िता वादी और गवाहों का पता नहीं चल पाया है और पते भी गलत मिले हैं। कोर्ट ने कहा यह न्यायिक प्रक्रिया का दुरुपयोग है।

चुनाव हारने के बाद राजनीति से संन्यास लेने का मन बना चुकीं थीं इंदिरा, बेटे संजय बने संभाला

प्रयागराज। आयरन लेडी के नाम से जानी गईं पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी भी 1977 का चुनाव हारने के बाद कमजोर पड़ गईं थीं। उन्होंने राजनीति से संन्यास लेने तक का मन बना लिया था। तब बेटे संजय गांधी ने उन्हें संभाला और दो साल के संघर्षों के बाद वह फिर से देश की प्रधानमंत्री बनीं। 1977 से 1979 के बीच इंदिरा गांधी के निजी सचिव तथा करीबी रहे नेहरू ग्राम भारती के कुलाधिपति जेएन मिश्रा का कहना है कि ये दो साल पूर्व प्रधानमंत्री के लिए काफी संघर्षों भरे रहे। वह चुनाव हार गईं थीं। कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता उनका साथ छोड़ने लगे थे। एक समय तो उन्होंने संन्यास लेने का विचार बना लिया था। वह मां आंनदमयी के आश्रम में जाने का निर्णय ले चुकीं थीं। जेएन मिश्रा के अनुसार, संजय गांधी ने कहा था कि पुरानी स्थिति वापस होगी। दो साल बाद इंदिरा गांधी के एक बार फिर प्रधानमंत्री बनने में संजय गांधी की महत्वपूर्ण भूमिका रही। जेएन मिश्रा ने बताया कि इंदिरा गांधी का खासतौर पर, बालिकाओं की शिक्षा पर विशेष जोर रहा। बताया कि इंदिरा गांधी की इच्छा पर ही उन्होंने शिक्षा को बढ़ाने का संकल्प लिया। इसी क्रम में हनुमानगंज के जमुनीपुर में प्रियदर्शनी बालिका इंटर कॉलेज के साथ कई शिक्षण संस्थान खोले गए।

हैदराबाद के योगेश बने विजेता, भदोही के कुलदीप दूसरे, गाजियाबाद के निशांत तीसरे स्थान पर रहे

प्रयागराज । 39वीं अखिल भारतीय प्राइजमनी इंदिरा मैराथन प्रतियोगिता हैदराबाद के योगेश ने जीत ली है। वह पहले स्थान

पर रहे। भदोही के कुलदीप सिंह दूसरे स्थान और गाजियाबाद के निशांत तीसरे स्थान पर रहे। धावक आनंद भवन से दौड़ शुरु करके स्वराज भवन, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, आयुक्त आवास, एनसीसी हेड क्वार्टर, महर्षि पतंजलि, म्योहाल चौराहा, धोबी घाट चौराहा, डीआईजी ऑफिस चौराहा, एजी ऑफिस चौराहा, पोलो ग्राउंड चौराहा, इलाहाबाद हाईकोर्ट, हनुमान मंदिर चौराहा, मेडिकल चौराहा, सीएमपी, डॉटपुल, बैरहना, नया पुल, डांडी, चाका ब्लॉक होते हुए दांदूपुर भारत पेट्रोल पंप तक पहुंचे। फिर इसी मार्ग से वापस आते हुए मदन मोहन मालवीय स्टेडियम में बनाए गए फिनिशिंग लाइन पर अपनी दौड़ को समाप्त किया।

डेढ़ करोड़ का बेच दिया मोमोज, सीजीएसटी ने लगाया पांच लाख का जुर्माना

प्रयागराज। सिविल लाइंस स्थित मोमोज की दुकान पर राज्य वाणिज्य कर विभाग ने सोमवार को छापा मारा। इस दौरान वहां बड़ी कर चोरी पकड़ी गई। जांच के दौरान पाया गया कि संबंधित कारोबारी ने दस माह में ही डेढ़ करोड़ रुपये के मोमोज बेचे, लेकिन उसने जीएसटी जमा किया। वहां जांच के दौरान मिले तमाम दस्तावेज देखने के बाद कारोबारी पर पांच लाख का जुर्माना लगाया गया। विभागीय टीम को जानकारी मिली थी कि सिविल लाइंस स्थित मोमोज की दुकान पर हर माह लाखों रुपये का

कारोबार किया जा रहा है, लेकिन संबंधित फर्म ने जीएसटी ने अपना रजिस्ट्रेशन नहीं कराया है। विभाग के एडिशनल कमिश्नर ग्रेड वन मुक्तिनाथ वर्मा के निर्देश पर ज्वाइंट कमिश्नर शक्ति प्रताप सिंह ने संबंधित दुकान पर जांच का वारंट जारी किया। इसके बाद डिप्टी कमिश्नर संजीव कुमार, एसी राजेंद्र यादव, अरविंद कुमार, राजेश आदि मौके पर पहुंचे। वहां जांच के दौरान मालूम पड़ा कि संबंधित दुकानदार वहां बड़ा कारोबार कर रहा है। उसने एसजीएसटी में अभी तक रजिस्ट्रेशन नहीं कराया था। उसकी दुकान पर मिले मोमोज के बिल, ऑनलाइन पेमेंट आदि देखने के बाद अनुमान लगाया गया कि उसने दस माह में डेढ़ करोड़ का कारोबार किया है। मौके पर ही पांच लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। ज्वाइंट कमिश्नर ने बताया कि अभी जांच चल रही है। इसके अलावा ऐसे दुकानदार जिनका जीएसटी रजिस्ट्रेशन नहीं है और बड़ा कारोबार कर रहे हैं उन्हें भी चिह्नित किया जा रहा है।

सातवीं की छात्रा समेत तीन किशोरियां लापता, मामले की छानबीन में जुटी पुलिस

प्रयागराज। धूमनगंज थाना क्षेत्र में रहने वाली सातवीं की छात्रा लापता हो गई। किशोरी की मां ने सौरभ और विनय पर अगवा करने का आरोप लगाते हुए एफआईआर दर्ज कराई है। पुलिस छात्रा को तलाश रही है। पीड़ित महिला ने पुलिस को बताया कि उसकी 14 वर्षीय बेटी 15 नवंबर से लापता है, उसी दिन से सौरभ और विनय का भी कुछ पता नहीं है। बेटी सोने की चेन और अंगूठी पहने हुए हैं। वहीं, कर्नलगंज थाना क्षेत्र की रहने वाली 14 वर्षीय किशोरी लापता हो गई है। युवक कन्हैया पर उसे ले जाने को आरोप लगा है। पुलिस किशोरी की तलाश रही है। इसके अलावा एयरपोर्ट थाना क्षेत्र की रहने वाली 16 वर्षीय किशोरी भी घर से लापता हो गई। पीड़ित महिला ने पुलिस को बताया कि 19 अक्तूबर से बेटी लापता है। काफी खोजबीन के बावजूद उसका पता नहीं चल सका है।

कार की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत, साथी जख्मी

प्रयागराज। प्रयागराज–बांदा हाईवे पर बारा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत सेहुड़ा पानी टंकी के पास सोमवार देर रात तेज रफ्तार कार ने एक बाइक को पीछे से टक्कर मार दी। बाइक सवार दो युवकों में एक की मौके पर ही मौत हो गई। दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया है। सोमवार देर रात 18 वर्षीय संदीप पाल पुत्र भाई लाल निवासी ग्राम ढेरहन थाना खीरी जिला प्रयागराज और खीरी निवासी 19 वर्षीय दिलीप कुमार पुत्र राम बहादुर एक ही बाइक पर रिश्तेदार के यहां बारा क्षेत्र के नीबी गांव जा रहे थे। बाइक दिलीप चला रहा था। बाइक सवार सेहुड़ा पहुंचे थे कि पीछे से आ रही कार ने टक्कर मार दी। दोनों बाइक सवार सड़क पर गिर गए और गंभीर रूप से घायल हो गए। संदीप की मौके पर मौत हो गई। दिलीप को गंभीर चोट आई। आसपास के लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस एवं ग्रामीणों ने घायल को पास के निजी अस्पताल में ले गए। तब तक थाना प्रभारी भी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। वहां से प्राथमिक उपचार कराकर घायल दिलीप को एंबुलेंस के माध्यम सीएचसी जसरा ले गए। शव को पुलिस ने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए प्रयागराज भेज दिया।

मतदान के लिए पोलिंग पार्टियों की रवानगी शुरू

प्रयागराज। फूलपुर विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव के लिए पोलिंग पार्टियों की रवानगी शुरू हो गई है। सुबह आठ बजे से ही मतदान कार्मिक मुंडेरा मंडी परिषद पहुंच गए और मंडी परिषद में लगाई गई 22 टेबलों से सामान लेना शुरू कर दिया। दोपहर को सीडीओ गौरव कुमार भी मौके पर पहुंचे। फूलपुर विधानसभा सीट के लिए उपचुनाव 20 नवंबर को होना है। इसके लिए 435 पोलिंग पार्टियां मुंडेर मंडी पहुंची हैं। सभी को आज ईवीएम दी जाएगी। मतदान के बाद ईवीएम को वापस यहीं पर जमा किया जाएगा। जिससे लोगों को परेशानी न हो। 23 नवंबर को मुंडेरा मंडी परिषद में ही मतगणना होगी।

महाकुम्भ में होगी धर्म संसद, पास होगा सनातन बोर्ड का प्रस्ताव

प्रयागराज। महाकुम्भ के दौरान अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद एक बड़ा आयोजन करने जा रहा है। इसमें संत एकजुट होकर सनातन बोर्ड के गठन का प्रस्ताव पास करेंगे। जिसके बाद इस प्रस्ताव को केंद्र सरकार को भेजा जाएगा। यह सनातन बोर्ड देश भर के मठ और मंदिरों की सारी व्यवस्थाएं देखेगा। प्रयागराज आए अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष व मनसा देवी ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत रविंद्र पुरी ने यह ऐलान किया है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि महाकुम्भ में सनातन बोर्ड के गठन को सहमति दी जाएगी। इस बोर्ड का गठन बेहद जरूरी हो गया है। आप देख रहे हैं कि प्रसाद के लड्डू में चर्बी, खाने–पीने के सामान में थूक मिलाने की घटनाएं आम हो चुकी हैं। ऐसे में हम सनातन बोर्ड के गठन की मांग करते हैं, जिसमें संत समाज के लोग रहेंगे और देशभर के मठ–मंदिरों की व्यवस्था को देखेंगे। महंत रविंद्र पुरी ने एक बार फिर गैर सनातनियों को महाकुम्भ से बाहर रखने की मांग को दोहराया। वोट जेहाद पर पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा कि यह अब आम है।

न्याय, शिक्षा और गंगा के प्रति निष्ठावान रहे न्यायमूर्ति गिरिधर मालवीय, दादी ने रखा था नाम

प्रयागराज। नहीं पता था कि सोमवार की सुबह एक ऐसी खबर आएगी, जिसे सहसा स्वीकार करना संभव नहीं। शिथिल शरीर लेकिन

स्वस्थ मन से शताब्दी की ओर बढ़ रहे महामना पंडित मदन मोहन मालवीय के यशस्वी पौत्र न्यायमूर्ति गिरिधर मालवीय ने आंखें मूंद लीं। अभी चार दिन पहले ही तो 88 बरस के हुए थे। उनका जाना मालवीय परिवार ही नहीं प्रयागराज, काशी सहित पूरे देश के लिए अपूरणीय क्षति है। महामना के बेटे और निजी सचिव के रूप में परिवार और देश की सेवा करने वाले पिता पंडित गोविंद मालवीय और विषम परिस्थितियों में भी विनम्रता और समर्पण के साथ परिवार तथा देश की सेवा करने वाली मां ऊषा मालवीय से मिले संस्कार ने गिरिधर मालवीय में भी सेवा और समर्पण का संस्कार भर दिया था। पांचवीं बेटी सत्या के बाद कार्तिक शुक्ल की प्रतिपदा गोवर्धन पूजन के दिन 14 नवंबर 1936 को गिरिधर मालवीय का जन्म हुआ था। दादी (महामना की पत्नी) गंगा नहाने गई थीं। लौटने पर गिरिधर के जन्म का समाचार मिला तो गदगद हो उठीं। बोली गोवर्धन पूजा के दिन नारायण स्वयं गिरिधर के रूप में आए हैं और बालक का नाम गिरिधर पड़ गया। गिरिधर का जन्म महामना के कमरे में ही हुआ था, संभवत इसीलिए उनका स्वभाव भी कुछ–कुछ महामना की तरह ही मृदु रहा। लगभग 8 वर्ष की उम्र में उनका यज्ञोपवीत संस्कार हुआ, फिर महामना ने ही उन्हें दीक्षा दी। महामना इलाहाबाद उच्च न्यायालय के प्रख्यात वकील थे। पिता पंडित गोविंद मालवीय चाहते थे कि गिरिधर भी वकील बनें और आगे चलकर ऊंचे पद पर पहुंचें। आठ मार्च 1988 की शाम मुख्य न्यायाधीश अमिताभ बैनर्जी का फोन आया तो मां ऊषा मालवीय ने ही फोन उठाया और गिरिधर को बुलाया। मुख्य न्यायाधीश ने फोन पर ही बताया कि गिरिधर हाईकोर्ट के जज हो गए हैं। गिरिधर ने मां के पांव छुए और पिताजी के चित्र के पास जाकर कहा, आपकी इच्छा पूरी हो गई। फिर 14 मार्च को उन्होंने हाईकोर्ट में न्यायाधीश का दायित्व संभाला। बतौर न्यायाधीश उनका कार्य और कार्यकाल अनुकरणीय और स्मरणीय रहा। शहर के साहित्यिक और सामाजिक समारोह में उनकी प्रतिबद्धता और उपस्थिति अनिवार्य थी। राष्ट्र प्रेम, शिक्षा और न्याय के प्रति समर्पित न्यायमूर्ति गिरिधर मालवीय का गंगा के प्रति अद्भुत समर्पण रहा। वह संपूर्ण गंगा आंदोलन के केंद्र बिंदु रहे। गंगा महासभा के संरक्षक के तौर पर उनकी देखरेख में ही अविरल–निर्मल गंगा के लिए जिस गंगा विधेयक का मसौदा तैयार किया गया, तत्कालीन केंद्रीय जल संसाधन मंत्री हरीश रावत ने महासभा को पत्र भेजकर उसका समर्थन किया। और तो और नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद गंगा मंत्रालय की ओर से राष्ट्रीय नदी गंगा संरक्षण अधिनियम के लिए न्यायमूर्ति गिरिधर मालवीय की अध्यक्षता में ही ड्राफ्टिंग कमेटी बनाई गई। उनका जाना गंगा आंदोलन के लिए भी अपूरणीय क्षति है।

गंगा यात्रा

अविरल–निर्मल गंगा के लिए 6 नवंबर 2006 को न्यायमूर्ति गिरिधर मालवीय ने वाराणसी के राजेंद्र घाट पर धरना भी दिया। इसी के बाद गंगा आंदोलन पुनर्जीवित हुआ। वर्ष 2008 में बलिया से नोएडा तक बनने वाले गंगा एक्सप्रेस–वे को न्यायमूर्ति गिरिधर मालवीय के मार्गदर्शन में ही न्यायिक प्रक्रिया के द्वारा रद्द कराया गया था।

हिन्दी का एक समर्पित सिपाही चला गया

न्यायमूर्ति प्रेमशंकर गुप्त के बाद यह राष्ट्रभाषा हिन्दी के सन्दर्भ में दूसरा बड़ा झटका है शहर के लिए। गिरिधर मालवीय अपनी हिन्दी के बहुत लायक सपूत थे। महामना पंडित मदन मोहन मालवीय की विरासत को जीवन मूल्य की तरह जीने वाले गिरधर मालवीय के मन में संगम नगरी ही जैसे सांस लेती थी, इसीलिए अक्सर उनका समन्वयवादी दृष्टिकोण अभिभूत कर जाया करता था। वो हर किसी से खुलकर मिलते थे। मैंने जब भी उन्हें देखा, सांस्कृतिक चिंताओं से भरा हुआ पाया। बदलते हुए शहर को लेकर वह प्रायः बेचैन हो उठते थे और कहते थे कि अपना प्रयाग तो करुणा की देवी महादेवी का शहर है। महाप्राण निराला की कविताएं यहां सांस लेती हैं कविवर सुमित्रानंदन पंत के छंद यहां की आत्मा में बसते हैं, फिर आखिर क्यों कैलाश गौतम जैसे संवेदनशील कवि को यह कहना पड़ता है...

संतों में हम प्रयाग खोजते रहे,
धुआं–धुआं वही आग खोजते रहे

जनकवि कैलाश गौतम उनके भी बहुत प्रिय कवि थे। एक बार जब वह गंभीर रूप से अस्वस्थ हुए तो मैं और कैलाश गौतम उन्हें देखने गए तो अस्पताल के बिस्तर पर पड़े–पड़े ही उन्होंने कैलाश गौतम से उनकी कालजयी कविता अमवसा का मेला सुनाने का आग्रह किया और कविता सुनकर बोले कि अब मैं अच्छा हो जाऊंगा, मुझे बीमारी में कविता रूपी दवा की अच्छी डोज मिल गई है। कहा करते थे कि बीमार हो रही सभ्यता का हमारी संस्कृति ही बेहतर उपचार कर सकती है और कविता तो हमें एक नेक आदमी बनाती ही है, हमारे मानसिक स्वास्थ्य को एक ऊंचाई दे देती है।वह सही अर्थों में धार्मिक थे और इस बात पर यकीन करते थे कि वस्तुतः जो धारण किया जाय, वही धर्म होता है। इसलिए भी वह धर्म के नाम पर पाखंड रचने वालों को बर्दाश्त नहीं कर पाते थे। जातिगत संकीर्णताओं पर भी वह प्रहार करते थे और कहते थे कि सबसे बड़ा धर्म है, मानव धर्म। हिन्दी, गंगा, राम, मां और देश, यह पांच तत्व, उनके लिए विशेष महत्व रखते थे, यही उनके तपस्वी जीवन के मूलाधार भी थे। वह अजातशत्रु थे बल्कि उन्हें महामानव भी कहें तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी। उनके लिए कोई छोटा बड़ा नहीं था, वह सबसे समान रूप से मिलते थे। उनके न रहने से अपना इलाहाबाद कुछ और सूना हुआ है।

सीआरपीएफ के हवलदार व बेटे को पुलिस ने हिरासत में दी यातना, रिमांड पर लेने की अर्जी खारिज

प्रयागराज। थरवई थाने के दरोगा को पीटने व लूट के आरोपी सीआरपीएफ के हवलदार और उसके बेटे को पुलिस ने हिरासत में यातना दी। इससे खफा रिमांड मजिस्ट्रेट ने आरोपी पिता–पुत्र को रिमांड पर लेने की पुलिस की अर्जी खारिज कर उन्हें जमानत पर रिहा करने का आदेश दे दिया। साथ ही पुलिस आयुक्त से मामले की जांच रिपोर्ट तलब की है। मामला थरवई थाना क्षेत्र का है। जाम छुड़ाने के विवाद में थरवई के दरोगा व सीआरपीएफ के हवलदार सत्यनारायण सिंह यादव और उसके बेटे अनुराग यादव के बीच रविवार की रात मारपीट हो गई थी। पुलिस ने मामले में पिता–पुत्र को गिरफ्तार कर रिमांड के लिए मजिस्ट्रेट की अदालत में पेश किया। रिमांड अर्जी संग पेश की गई मेडिकल रिपोर्ट में आरोपियों के शरीर पर कोई भी चोट नहीं दर्शायी गई थी। वहीं, आरापियों ने अपने कपड़े उतार कर दिखाए तो कोर्ट ने पाया कि उनके शरीर पर चोट के निशान थे। सत्यनारायण का बायां हाथ व अनुराग का बायां पैर सूजा था। अनुराग अदालत कक्ष में लंगड़ाते चल रहा था। साथ ही गिरफ्तारी और बरामदगी से जुड़े वीडियो कोर्ट में चलाए गए। कोर्ट ने पाया कि वीडियो अंधेरे में बनाए गए थे। इनमें न आरोपी के चेहरे दिख रहे थे और न ही बरामद सामान। कोर्ट ने चोटों और वीडियो के बारे में विवेचक से पूछा तो विवेचक जबाव नहीं दे सका।

मदरा, सिरसा पांटून पुल के लिए सौंपा ज्ञापन

गंगापार। शिवसेना की प्रदेश सचिव रुचि अभिषेक तिवारी ने मंगलवार प्रयागराज महाकुम्भ मेलाधिकारी विजय किरन आनंद से मुलाकात की। मेजा के मदरा मुकुंदपुर, सिरसा गंगा घाट पर पांटून पुल शीघ्र बनाने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को संबोधित ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से उन्होंने कहा कि हमेशा अक्तूबर से नवंबर माह में गंगा नदी पर पांटून पुल निर्माण हो जाता था, जिससे लाखों क्षेत्रीय लोगों को गंगा पार आने–जाने में सुविधा होती है। किसी कारणवश अभी तक उपरोक्त दोनों स्थानों पर अभी तक पांटून पुल का निर्माण नहीं हो पाया। शिवसेना सचिव ने कहा कि लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों का कहना है कि महाकुम्भ के कारण इस बार अधिक मदरा और सिरसा घाट पर पांटून पुल नहीं बनेगा। इस बात पर महाकुम्भ के मेलाधिकारी विजय किरन आनंद ने कहा कि मैंने किसी पांटून पुल का निर्माण नहीं रोका है। किस कारण से इस पांटून पुल का निर्माण नहीं हो रहा है जांच होगी। जांच रिपोर्ट आने के बाद कार्रवाई की जाएगी। आश्वासन दिया कि पांटून पुल का निर्माण शीघ्र शुरू होगा और क्षेत्रीय लोगों को आने–जाने में कोई परेशानी नहीं होगी।

1069 भूमिहीनों को अब मिलेगा आवास

प्रयागराज। ऐसे गरीब जिनके पास न तो जमीन है और आवास, उन्हें जल्द ही छत मिल सकती है। ऐसे गरीबों की तलाश के लिए पिछले दिनों शासन ने निर्देश दिया था। इनकी तलाश हो गई है। जिले में 1069 ऐसे गरीब अब तक के सर्वे में मिले हैं, जिनके पास जमीन नहीं है। इनके लिए जमीन उपलब्ध कराकर आवास की व्यवस्था का प्रस्ताव शासन को भेजा गया है। प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत ऐसे गरीबों को आर्थिक सहायता की जाती है, जिनके पास जमीन तो हैं, लेकिन आवास नहीं है।

प्रदेश में ऐसे भी तमाम लोग हैं, जिनके पास जमीन भी नहीं है। पिछले साल कोरांव तहसील में ऐसे लोग मिले थे। जिसके बाद शासन ने प्रदेश के सभी जिलों में सर्वे कर भूमिहीन गरीबों की सूची मांगी थी। ग्राम्य विकास अभिकरण की ओर से जिले में सर्वे किया गया तो 1069 लोग ऐसे मिले हैं, जिनके पास आवास नहीं है। इन लोगों के पक्ष में ग्राम सभा की खाली जमीनों का पट्टा कर आवास बनाया जाएगा। इसके लिए जिले से शासन को सूची भेजी गई है। पीडी डीआरडी अशोक कुमार मौर्या का कहना है कि सूची शासन को भेज दी गई है। वहां से निर्देश आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

'चंडीगढ़ ट्राई सिटी इकाई की काव्य गोष्ठी सम्पन्न'

'अब मृगतृष्णा में जीने दो – सान्त्वना बाजपेयी'

चंडीगढ । शहर समता महिला काव्यगोष्ठी चंडीगढ़ ट्राई सिटी इकाई की काव्यगोष्ठी बाल दिवस के रूप में सफलता पूर्वक सम्पन्न हुई। कार्यक्रम का कुशल संचालन दिलप्रीत दीपाली ने किया। इस काव्य गोष्ठी में नन्हे मुन्ने बच्चों ने भी भाग लिया कुछ बच्चों ने मौलिक रचनाएँ सुनाई और कुछ बच्चों ने दूसरे कवियों द्वारा लिखी हुई कविताएं सुनाई। काव्यगोष्ठी का शुभारंभ माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन से हुआ। सरस्वती वंदना एक नन्ही बच्ची अंजली वर्मा द्वारा प्रस्तुत की गयी जिसमें उसनें सरस्वती माँ का आह्वान करते हुए श्हे शारदे माँ ,हे शारदे माँ अज्ञानता से हमें तार दे माँश श से शुरू किया। रिद्धि ने सुनायाश आखिर किसने ये दिवस बनाया। मोनिका नें मीठे रिश्तों की मैं बात सुनाऊँश आकांक्षा नें

बस चिड़िया अब हार गईश्ष रूद्र शर्मा नें सलाम है !!

इस देश प्यारे को !! अंशु जांगिड़ नें श्रीराम स्तुति – श्री रामचंद्र कृपालु भजमनश्ष आकाँक्षा राव नें

चलो बचपन में जाते हैंष सांत्वना बाजपेई नें ष्अब मृगतृष्णा में जीने दोष्

नीतू पाण्डेय क्रांति पीयूष मिश्रा का मशहूर गीत– ष्आरम्भ है प्रचण्ड बोल मस्तकों के झुण्ड।ष कुसुम लता नेष आओ बच्चों तुम्हें सुनाओ कहानी गुब्बारे की ,हरश प्रीत कौर नेष मैं नही धयाये पीर पैगंबर ,गुरुसिमर ने ष्मैं तत्ती रूह दा शांत इंसान हूंष कवितायेँ सुनाई

विशिष्ट अतिथि बॉलीवुड लेखिका नीतू पांडे क्रांति जी ने बच्चों की तहे दिल से सराहना की। मुख्य अतिथि परमिंदर सोनी जी और गोष्ठी की अध्यक्षता कर रही मोनिका कटारिया जी ने कहा कि बच्चों की गहराई भरी कविताएं सुनकर आज की गोष्ठी सार्थक हुई है ।कार्यक्रम के अंत में इस कार्यक्रम की संयोजिका जिलाध्यक्ष प्रभजोत कौर जोत ने सभी मेहमानों का दिल से धन्यवाद किया और बच्चों का भी धन्यवाद किया और बच्चों के भविष्य की मंगल कामनाएं की।

स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान दी जानकारी:

करछना। क्षेत्र के रामपुर स्थित बृज मंगल सिंह इंटर कॉलेज में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र करछना से आई डॉक्टरों की टीम ने बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान विभिन्न जानकारियां दी।

विद्यालय में पांच दिवसीय प्रशिक्षण के दूसरे दिन तक लगभग 300 से अधिक बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।इस दौरान नेत्र परीक्षण के साथ–साथ वजन,लंबाई के आधार पर उन्हें स्वस्थ रहने के लिए डॉक्टरों द्वारा विभिन्न प्रकार के सुझाव भी दिए गए।नेत्रों की ठीक से साफ सफाई के अलावा अच्छे खान–पान के बारे में भी डॉक्टरों की टीम ने बच्चों को कई जानकारियां और सुझाव दिए।अगले तीन दिनों तक बाकी छूटे हुए बच्चों का भी परीक्षण किया जाना है। प्रधानाचार्य मनीष कुमार तिवारी ने डॉक्टरों के प्रति आभार व्यक्त किया।परीक्षण के दौरान डॉ.ज्ञान देव मिश्र,डॉ प्रतिभाकांत देववंशी डॉ.आर्शी फरीद,संदीप मिश्रा,पूरी टीम के साथ मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिले अभिनेता विक्रांत मैसी, शिष्टाचार भेंट की

लखनऊ, संवाददाता। फिल्म अभिनेता विक्रांत मैसी ने मंगलवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से उनके लखनऊ स्थिति सरकारी आवास पर भेंट की। इसे एक शिष्टाचार भेंट बताया जा रहा है। विक्रांत इन दिनों अपनी नई फिल्म द साबरमती रिपोर्ट का प्रमोशन कर रहे हैं। इसी सिलसिले में उन्होंने मुख्यमंत्री योगी से मुलाकात की। बता दें कि इस फिल्म को मध्य प्रदेश में टैक्स फ्री किया जा चुका है। साबरमती एक्सप्रेस में हुई आगजनी पर आधारित है फिल्म। धीरज सरना द्वारा निर्देशित और विक्रांत मैसी अभिनीत यह फिल्म 2002 में गुजरात के गोधरा में साबरमती एक्सप्रेस में हुई आगजनी की दुखद घटना पर आधारित है। फिल्म में विक्रांत मैसी के साथ रिद्धि डोगरा और राशि खन्ना ने भी महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई हैं। दर्शकों और समीक्षकों ने फिल्म की सराहना की है। 'द साबरमती रिपोर्ट' ने अपने पहले दिन 1.41 करोड़ रुपये की कमाई की है।

यूपी की हर पंचायत में बनेगा अटल विद्यालय

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में अटल आवासीय विद्यालयों की योजना का विस्तार अब न्याय पंचायत स्तर तक किया जा रहा है, जो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के शिक्षा सुधार के महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट का हिस्सा है। प्रदेश के 18 मंडलों में पहले से ही अटल आवासीय विद्यालय स्थापित हो चुके हैं। अब इस योजना को न्याय पंचायत स्तर तक फैलाने की तैयारी की जा रही है। इन विद्यालयों का उद्देश्य श्रमिकों के बच्चों को मुफ्त शिक्षा देना है, जिससे उनका भविष्य उज्जवल हो सके। सरकार ने घोषणा की है कि हर न्याय पंचायत में अटल विद्यालय खोला जाएगा। विद्यालय आवासीय नहीं होंगे लेकिन इन विद्यालयों में अत्याधुनिक सुविधाएं दी जाएंगी। प्रवेश–उपकरण, उच्च गुणवत्ता की शिक्षा, खेलकूद सुविधाएं और अन्य सहायक संसाधन शामिल होंगे। हर विद्यालय का डिजाइन और लागत का आकलन अभी चल रहा है। इस परियोजना की कुल लागत लगभग आठ लाख करोड़ रुपये आंकी जा रही है, जो इसे राज्य सरकार के लिए एक बड़ा वित्तीय निवेश बनाता है। राज्य में लगभग 8,000 से ज्यादा न्याय पंचायतें हैं, जिसमे अटल आवासीय विद्यालय बनाया जायेगा।

यूपी उपचुनाव की 9 सीटों पर आज होगा मतदान, मैदान में है कुल 90 उम्मीदवार

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में 9 विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव के लिए कल सुबह 7 बजे से मतदान शुरू होगा। कल यानी 20 नवंबर को अम्बेडकर नगर में कटेहरी, मैनपुरी में करहल, मुजफ्फरनगर में मीरापुर, गाजियाबाद, मिर्जापुर के मझवां, कानपुर नगर में सीसामऊ, अलीगढ़ में खैर, प्रयागराज में फूलपुर और मुरादाबाद में कुंदरकी सीट के लिए वोटिंग होगी। इन सीटों पर कुल 90 उम्मीदवार अपनी किस्मत आजमा रहे है। बता दें कि सबसे ज्यादा 14 उम्मीदवार गाजियाबाद विधानसभा क्षेत्र से मैदान में हैं। वहीं, सबसे कम पांच–पांच उम्मीदवार खैर (सुरक्षित) और सीसामऊ सीट पर हैं। 34 लाख से अधिक वोटर अपने प्रतिनिधि का चुनाव करेंगे, इनकी किस्मत का फैसला करेंगे। 23 नवंबर को वोटों की गिनती की जाएगी। चुनाव को शांतिपूर्ण कराने के लिए तैयारियां पूरी कर ली गई है। पोलिंग पार्टियां भी रवाना हो गई है। प्रदेश में जिन नौ विधानसभा सीट पर उपचुनाव हो रहे हैं, उनमें से आठ के विधायकों ने इस साल आम चुनाव में लोकसभा के लिए निर्वाचित होने के बाद विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था,।

विश्व विरासत सप्ताह के अवसर पर पांडुलिपि संपदा प्रदर्शनी का आयोजन

प्रयागराज । जगत तारन गर्ल्स डिग्री कॉलेज प्रयागराज के प्राचीन इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्त्व विभाग तथा संस्कृत विभाग द्वारा राजकीय पाण्डुलिपि पुस्तकालय (संस्कृति विभाग, उ. प्र.) के संयुक्त तत्त्वावधान में दिनांक 19 नवंबर को श्विश्व विरासत सप्ताहश के अवसर पर पाण्डुलिपि सम्पदा प्रदर्शनी का आयोजन किया गया.

प्रो. प्रकाश सिन्हा , प्राचीन इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्त्व विभाग,इलाहाबाद विश्वविद्यालय ने प्रदर्शनी का उद्घाटन किया और ष विरासत रू व्यक्तित्व , व्यक्ति और संस्कृतिष विषय पर व्यख्यान दिया. उन्होंने व्यक्तित्व और संस्कृति की सापेक्षता को विभिन्न उद्धरणों से सिद्ध किया. सभ्यता के क्रमिक विकास को बड़े रोचक माध्यम से बताते हुए विरासत निर्माण पर प्रकाश डाला.

इसके साथ ही विरासत, संस्कृति एवं कुम्भपर्व पर आध ारित अन्तर्महाविद्यालयीय क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया.जिसमेंविभिन्न महाविद्यालयों के लगभग 40 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया.

प्राचार्या प्रो. आशिमा घोष ने अतिथियों का स्वागत किया और छात्राओं को अपनी विरासत को जानने और संरक्षण के लिये प्रेरित किया. कार्यक्रम का संचालन प्रो. मीनाश्री यादव एवं धन्यवाद ज्ञापन डा अजिता ओझा ने किया.

इस अवसर पर प्रो. दीपशिखा बनर्जी,प्रो. रतनकुमारी वर्मा, डा. निर्मला गुप्ता, डा. प्रमा द्विवेदी, डा. नम्रता देब, श्री हरिश्चंद्र दुबे एवं डा. शाकिरा तलत समेत शोधार्थीगण एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे.

अंतरिक्ष–आधारित शो अपोलीना तीन दिसंबर को प्रीमियर होगा

लखनऊ, एजेंसी। जब सितारे बुलाते हैं, तो केवल साहसी ही जवाब देने का साहस कर पाते हैं! एक असाधारण कॉस्मिक ट्रिब्यूट में कलर्स ने एक तारे का नाम अपोलीना रखकर आकाशगंगा का इतिहास रचा है, जो इसके पहले अंतरिक्ष–आधारित नाटक श्अपोलीना – सपनों की ऊंची उड़ानश का सम्मान करता है। इस खगोलीय इशारे के तौर पर चौनल न केवल आकाश को रोशन कर रहा है, बल्कि हर जगह सपने देखने वालों के दिलों में एक चिंगारी पैदा करता है, उन्हें अपने सपनों के लिए ऊंची उड़ान भरने का आग्रह करता है। कलर्स के सम्मोहक कहानी कहने के ब्रह्मांड में एक शानदार शो के तौर पर यह शो बड़ी महत्वाकांक्षाओं वाली एक छोटे शहर की लड़की अपोलीना की प्रेरक कहानी बताता है, जो श्कर के दिखाऊंगीश के आदर्श वाक्य पर चलती है। भारत की पहली महिला अंतरिक्ष यात्री बनने के लिए दृढ़ संकल्प के साथ वह अपने सपने को जीने और अपने पिता के सम्मान को बहाल करने की यात्रा पर निकली है। यह लड़की अपोलीना के व्यक्तिगत संघर्ष की गंभीरता को दिखाता है, जो श्गद्दार की बेटीश की छवि के बोझ का सामना करते हुए व्यक्तिगत उपलब्धियों के शिखर पर बैठना चाहती है। उसके पिता पर घोटाले का कलंक लगा है और उसके बाद आई विपत्तियों का सामना करने और उनसे उबरने के लिए वह प्रतिबद्ध हैं। अदिति शर्मा मुख्य भूमिका में हैं और संदीप बसवाना ने गिरध ार शुक्ला की भूमिका निभाई है। फोर लायंस फिल्म्स प्राइवेट लिमिटेड और कथा कॉटेज प्रोडक्शन एलएलपी द्वारा निर्मित, श्अपोलीना – सपनों की ऊंची उड़ानश का प्रीमियर तीन दिसंबर को होगा और यह हर दिन शाम 6रू00 बजे सिर्फ कलर्स पर प्रसारित होगा। ब्रह्मांड के बारे में जिज्ञासा को प्रेरित करने के एक शानदार पहल के हिस्से के रूप में कलर्स ने अपोलीना – सपनों की ऊंची उड़ान के संदेश को अगले स्तर पर पहुंचाया है। अभिनेत्री अदिति शर्मा और संदीप बसवाना ने इसरो की पूर्व वैज्ञानिक डॉ राजश्री बोथले के साथ मिलकर लखनऊ के रीजनल साइंस सेंटर में स्थानीय स्कूली छात्राओं के लिए एक विशेष कार्यक्रम में भाग लिया। इस दौरान अदिति और संदीप ने लड़कियों को अंतरिक्ष विज्ञान में कॅरियर बनाने के लिए प्रोत्साहित किया और अपने आगामी शो के बारे में जानकारी साझा की। वास्तव में ब्रह्मांड के एक दिव्य क्षण के तौर पर कलर्स ने शो के सम्मान में एक तारे का नाम ष्अपोलीनाष रखकर इतिहास रच दिया, जो इस बात का प्रतीक है कि कोई भी सपना बहुत दूर नहीं है, और कोई भी महत्वाकांक्षा किसी के लिए बहुत अधिक नहीं है। इस कार्यक्रम में भाग लेने वाली लड़कियों को आधिकारिक स्टार रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट प्रदान किया गया, जो उन्हें रुकरकेदिखाउंगी की भावना की याद दिलाता है। सपने देखने वालों की अगली पीढ़ी को और अधिक प्रेरित करने के लिए लड़कियों को अपने सपनों और आकांक्षाओं को लिखने के लिए कागज के रॉकेट दिए गए। एक दिल को छू लेने वाले पल में अदिति ने समूह का नेतृत्व करते हुए अपने रॉकेट हवा में छोड़े, जिससे उनकी उम्मीदें एकता और महत्वाकांक्षा के एक शक्तिशाली प्रतीक के रूप में बढ़ गईं। लखनऊ आने के बारे में बात करते हुए अदिति शर्मा ने कहा, ष्लखनऊ की युवा प्रतिभाओं और डॉ. राजश्री बोथले से मिलना बहुत ही सुखद अनुभव था! उनसे बातचीत ने मुझे याद दिलाया कि युवा लड़कियों के सपने कितने असीम हो सकते हैं और वे अपोलीना की तरह ही श्कर के दिखाऊंगीश की भावना को सच में साकार करती हैं। जब मैंने अपोलीना की सितारों तक की यात्रा के बारे में उनसे बात की, तो मैंने उनकी आँखों में एक चमक, बाधाओं को तोड़ने और जो संभव है उसे फिर से परिभाषित करने की इच्छाशक्ति देखी। कुछ मायनों में इन लड़कियों से मिलते हुए मैं अपने बचपन के सपनों में वापस लौट गई। मुझे उम्मीद है कि अपोलीना की कहानी उन्हें अपनी श्ऊँची उड़ान के लिए प्रेरित करेगी। लखनऊ की स्कूली लड़कियों को अंतरिक्ष का अध्ययन करने के लिए प्रेरित करने के बारे में अपने विचार साझा करते हुए संदीप बसवाना ने कहा, लखनऊ में इन प्रतिभाशाली युवा प्रतिभाओं से मिलने और उन्हें अंतरिक्ष विज्ञान के बारे में इतने उत्साह के साथ बात करते देखने के बाद मैं भविष्य के लिए आशान्वित हूँ। मैं अपोलीना के पिता का किरदार निभा रहा हूँ, जो अपनी बेटी के साथ उसकी यात्रा के हर कदम पर खड़ा रहता है, चाहे कितनी भी मुश्किलें क्यों न हों। अपोलीना की कहानी एक शक्तिशाली रिमाइंडर है कि कोई भी सपना बड़ा नहीं है यदि आपके पास उसे पाने का साहस है और आपको सही समर्थन मिल रहा है। उनके लिए मेरा संदेश सरल है– सितारों तक पहुंचना कभी बंद न करें, क्योंकि सही मार्गदर्शन और खुद पर विश्वास के साथ, आप किसी भी चुनौती को पार कर सकते हैं।" इसरो की पूर्व वैज्ञानिक डॉ राजश्री बोथले कहती हैं, "मैं कलर्स के साथ साझेदारी करके खुश हूं। यह एक ऐसा ब्रांड है जो सामाजिक मानदंडों को चुनौती देने वाली जड़ें जमाने वाली कहानियां पेश करने की अपनी विरासत के लिए जाना जाता है। अपोलीना कोई अपवाद नहीं है। यह शो भारत की पहली महिला अंतरिक्ष यात्री बनने की आकांक्षा रखते हुए पुरुष–प्रधान क्षेत्र में बाधाओं को तोड़ने की एक युवा महिला की यात्रा को दर्शाता है। यह भी ऐसे समय में जब भारत मनुष्य को अंतरिक्ष में भेजने की तैयारी कर रहा है। लखनऊ में शो की नायिका के साथ सैकड़ों प्रतिभाशाली और महत्वाकांक्षी लड़कियों से मिलना और उनके सम्मान में एक तारे का नाम 'अपोलीना' रखने की प्रेरक गतिविधि का हिस्सा बनना वास्तव में एक यादगार अनुभव रहा है।

खुर्शीद लॉयर की ओटीटी स्क्रीन पर वापसी, 'फ्रीडम एट मिडनाइट' में निभाई प्यारेलाल नय्यर की भूमिका

लखनऊ, एजेंसी। जाने–माने एक्टर खुर्शीद लॉयर सोनी लिव की बहुप्रतीक्षित सीरीज 'फ्रीडम एट मिडनाइट' के साथ वापसी कर रहे हैं। वह महात्मा गांधी के अनुयायी प्यारेलाल नय्यर की भूमिका निभा रहे हैं। नय्यर स्वाधीनता संग्राम के समय गांधीजी के निजी सचिव भी थे। यह ऐतिहासिक कहानी लैरी कॉलिन्स और डॉमिनिक लेपिएर की प्रसिद्ध किताब पर आधारित है। इस सीरीज में मिले अनुभव और स्क्रीन पर अपनी वापसी के बारे में खुर्शीद लॉयर ने कहा, ''मैं ऐसे प्रोजेक्ट लेता हूँ, जो मुझे रिचार्ज कर देते हैं और अपने काम पर ध्यान देने में मेरी मदद करते हैं। और इसके लिये 'फ्रीडम एट मिडनाइट' जैसे प्रोजेक्ट से बेहतर क्या हो सकता था? प्यारेलाल नय्यर की भूमिका निभाने का अनुभव बेजोड़ था। स्वाधीनता संग्राम में उनके जैसे कई किरदारों को कम ही लोग जानते हैं, जो कि गांधीजी के आदर्शों, मूल्यों तथा नैतिकता पर भरोसा रखकर चलते रहे। स्वाधीनता संघर्ष के लिये प्यारेलाल के समर्पण ने मुझे प्रभावित किया और मैं इस महत्वपूर्ण कहानी का हिस्सा बनने से खुद को रोक नहीं पाया। उन दृश्यों ने मेरे अनुभव को यादगार बना दिया, जैसे मैंने पहले कभी नहीं किये थे। निखिल आडवाणी की सोच, प्रतिभाशाली कलाकारों और कहानी के ऐतिहासिक महत्व ने यह मौका लपकने के लिये मुझे उकसाया। इस शानदार कहानी को दर्शकों से मिल रही प्रतिक्रिया देखकर मैं बहुत खुश हूँ और मैं चाहता हूँ कि ज्यादा से ज्यादा लोग भारत की आजादी की लड़ाई का जादू देखें। 'फ्रीडम एट मिडनाइट' में बड़े ही प्रतिभाशाली कलाकारों ने अपना जलवा बिखेरा है, जिसमें सिद्धांत गुप्ता, चिराह वोहरा, राजेन्द्र चावला, आरिफ जकारिया, मलिश्का मेंडोन्सा, राजेश कुमार, केसी शंकर, ल्युक मैकगिबनी, कोर्डेलिया बगेजा, एलिस्टेयर फिनले, एंड्रू कुलम और रिचर्ड टेवरसन शामिल हैं। इस सीरीज को एमी एंटरटेनमेन्ट (मोनीशा आडवाणी और मधु भोजवाणी) ने स्टूडियोनेक्स्ट के साथ मिलकर बनाया है। इस सीरीज में भारत की आजादी की लड़ाई का दिलचस्प चित्रण किया गया है।

संक्षिप्त

सपा सांसद ने पुलिस पर लगाए गंभीर आरोप, अपनी सुरक्षा भी कर दी वापस

लखनऊ, एजेंसी। यूपी की 9 विधानसभा सीटों पर 20 नवंबर को उपचुनाव होना है। इस सिलसिले में पक्ष और विपक्ष के नेताओं की प्रतिक्रियाएं लगातार सामने आ रही हैं। इसी के चलते अंबेडकरनगर जिले की कटेहरी विधानसभा सीट से सपा सांसद लालजी वर्मा का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने प्रशासन पर वोटर्स को डराने का आरोप लगाया है। इसके साथ ही सपा सांसद ने अपनी सुरक्षा भी वापस कर दी है। सपा सांसद ने एसपी को एक पत्र लिखा । जिसमें उन्होंने लाल पर्ची देकर मुस्लिम, कुर्मी, यादव मतदाताओं को डराए जाने का आरोप लगाया। पत्र में उन्होंने आगे लिखा कि ऐसा करना स्वस्थ लोकतंत्र के लिए घातक है। इसके साथ ही उन्होंने एसपी पर भी बीजेपी के पक्ष में काम करने का आरोप लगाया। आरोप लगाते हुए सपा सांसद ने कहा कि आपने मुझे अतिरिक्त गनर देने की पेशकश की थी, उसकी जरूरत नहीं। मैं अपना मौजूदा गनर भी छोड़ रहा हूं। उत्तर प्रदेश में फूलपुर, गाजियाबाद, मझवां, खैर, मीरापुर, सीसामऊ, कटेहरी, करहल और कुंदरकी विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होना है। इन सभी विधानसभा सीटों पर 20 नवंबर को मतदान होगा। जिसको लेकर बीजेपी, सपा, बसपा और कांग्रेस समेत सभी दलों ने चुनावी मैदान में जमकर अपनी ताकत झोंकी है। हालांकि, इस उपचुनाव में सपा और भाजपा के बीच कड़ी टक्कर देखी जा रही है। बता दें कि 23 नवंबर को इन सीटों पर हुए मतदानों की मतगणना होगी।

मुस्लिम महिलाओं की बुर्का हटवाकर न की जाए चेकिंग, उपचुनाव से पहले सपा ने ईसी को लिखी चिट्ठी

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में विधानसभा की 9 सीटों पर उपचुनाव 20 नवंबर यानी कल मतदान होगा। चुनाव के ठीक एक दिन पहले मुस्लिम महिलाओं का नकाब हटाकर चेकिंग न किए जाए इसे लेकर समाजवादी पार्टी ने चुनाव आयोग को चिट्ठी लिखी है। सपा ने चुनाव आयोग से मांग की है कि रिटर्निंग ऑफिसर, रिटर्निंग ऑफिसर,जिला मजिस्ट्रेट, जनरल ऑब्जर्वर और पुलिस अधिकारियों को लिखित आदेश जारी किया जाए कि 20 नवंबर 2024 (मतदान की तिथि) को ष्कोई भी पुलिसकर्मी किसी भी मतदाता की मतदाता पहचान–पत्र की जांच नहीं करेगा। पत्र में आगे कहा गया है कि मतदाता पहचान–पत्र की जांच करने का अधिकार मतदान अधिकारी के पास है। लोकसभा चुनाव 2024 के दौरान मतदान केंद्रों पर तैनात पुलिस अधिकारियों ने अपनी शक्ति और पद का दुरुपयोग किया और सपा समर्थकों, खासकर मुस्लिम महिला मतदाताओं को डराकर उनके बुर्के उतरवा दिए। इसके बाद मतदाताओं को मतदान केंद्रों से बिना मतदान किए लौटना पड़ा और इससे मतदान प्रभावित हुआ और मतदेय स्थलों पर मतदान प्रतिशत में गिरावट आई थी। गौरतलब है कि अम्बेडकर नगर में कटेहरी, मैनपुरी में करहल, मुजफ्फरनगर में मीरापुर, गाजियाबाद, मिर्जापुर में मझवां, कानपुर नगर में सीसामऊ, अलीगढ़ में खैर, प्रयागराज में फूलपुर और मुरादाबाद में कुंदरकी सीट पर आगामी 20 नवंबर को मतदान होगा। मतों की गिनती 23 नवंबर को की जाएगी।

भाजपा नेता प्रदुम्न कुमार का निधन, शोक की लहर

लखनऊ, एजेंसी। बीजेपी व राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के नेता प्रदुम्न कुमार का आज निधन हो गया है। संघ के वरिष्ठ प्रचारक व बीजेपी के दिग्गज नेता का निधन हो गया। कई मुख्यमंत्रियों समेत राष्ट्रीय नेताओं ने उन्हें सोशल मीडिया के माध्यम से श्रद्धांजलि दी। उनके घर दुख प्रकट करने वालों का तांता लगा है।राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक उत्तर प्रदेश में अवध व पश्चिम क्षेत्र के संघठक रहे प्रदुमन कुमार का आज आकस्मिक निधन हो गया। दिल्ली के राम मनोहर लोइया अस्पताल में उनका ह्रदयघात के चलते निधन हुआ हैमराष्ट्रीय अध्यक्ष समेत कई नेताओं ने दुख प्रकट करते हुए परिवार के लिए प्रार्थना की है। प्रदुमन कुमार राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक ही नहीं बल्कि एक विचार थे। प्रदुमन कुमार वर्तमान में बीजेपी के राष्ट्रीय संगठक के पद पर कार्यरत थे। आज सुबह 4.30 बजे आरएमएल अस्पताल में उन्होने अंतिम सांस ली है। वह पिछले एक दिन से ही एडमिट थे। उन्हें हार्ट संबंधी समस्या के चलते ही राम मनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

इण्डिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में अभियंता हेमन्त का नाम दर्ज

लखनऊ, एजेंसी। जिला बिजनौर के ग्राम फीना निवासी इंजीनियर हेमन्त कुमार की लिखी पुस्तक चित्रों के झरोखे से श्रीराम जन्मभूमि मन्दिर निर्माण ने ऐतिहासिक रिकॉर्ड बनाया है। यह पुस्तक इसी वर्ष 22 जनवरी को अयोध्या में श्रीरामलला प्राण प्रतिष्ठा के ठीक बाद प्रकाशित हुई थी। इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स ने लंबे परीक्षण के बाद इसे प्राण प्रतिष्ठा के दिन प्रकाशित होने वाली महत्वपूर्ण पुस्तक पाया और उल्लेखनीय उपलब्धि के रूप में दर्ज किया। इस रिकॉर्ड को बनाने के लिए हेमंत ने लंबी तैयारी की थी। सिंचाई विभाग में सहायक अभियंता के रूप में कार्यरत हेमन्त कुमार ने बताया कि पुस्तक में निर्माण के तकनीकि पक्षों पर लिखा गया है और बड़ी संख्या में निर्माण संबंधी चित्र क्रमवार लगाए गए हैं। अयोध्या के परिचय और मंदिर निर्माण की भारतीय परंपरागत शैलियों पर भी लिखा गया है। 22 जनवरी को ग्यारह अलग अलग स्थानों पर इस पुस्तक के परिचय कार्यक्रम भी कराए गए थे। इस पुस्तक को राज्यपाल उत्तर प्रदेश आनंदी बेन पटेल ट्रस्टी श्री कामदगिरि प्रमुख द्वार चित्रकूट मदन गोपालदास जी महाराज तात्कालीन सांसद बांदा चित्रकूट आर. के. सिंह पटेल एम एल सी बरेली मुरादाबाद खंड स्नातक क्षेत्र डॉ. जयपाल सिंह व्यस्त तथा पायनियर्स क्लब भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष केशव शिवहरे आदि गणमान्य के संदेश भी प्राप्त हुए। इससे पूर्व आजादी के अमृत महोत्सव से जुड़े लेखकीय कार्यों के लिए भी हेमन्त कुमार ने दो राष्ट्रीय रिकार्ड बनाकर इण्डिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में अपना नाम दर्ज कराया है।

राष्ट्रीय स्कूल खेल प्रतियोगिता 26 नवम्बर से होंगे 19 इवेंट

लखनऊ, एजेंसी। स्कूल गेम्स फेडरेशन के तत्वावधान में माध्यमिक शिक्षा विभाग द्वारा 68वीं राष्ट्रीय स्कूल खेल प्रतियोगिता अण्डर– 17 बालक,बालिकाओं की एथलेटिक्स प्रतियोगिता–2024 का आयोजन 26 नवम्बर से 30 नवम्बर तक गुरू गोविन्द सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज लखनऊ में किया जा रहा है। विगत वर्ष इसी प्रतियोगिता के अन्डर–14 वयवर्ग के बालक, बालिकाओं की प्रतियोगिता लखनऊ में आयोजित हुयी थी। अन्डर–17 वयवर्ग की स्कूली गेम्स की एथलेटिक्स प्रतियोगिता लखनऊ में पहली बार आयोजित हो रही है।

सम्पादकीय.....

कातिल सड़कें

वाकई भारत की सड़कों पर चलना अब जान हथेली में रखकर चलने जैसा ही होता जा रहा है। हाल ही में दिल्ली–चंडीगढ़ हाईवे पर पानीपत के निकट रॉन्ग साइड से आए एक ट्रक ने पांच लोगों की जान ले ली। बताया जाता है कि ड्राइवर नशे में था। रास्ते में जो आया उसे कुचलता चला गया। सबसे दुर्भाग्यपूर्ण बात यह है कि ऐसी दुर्घटनाओं में निर्दोष लोग ही मारे जाते हैं। वे लोग जो अपने परिवारों के भरण–पोषण के संघर्ष में जुटे रहते हैं। जिनके लिये यह जीवनभर का दुख बन जाता है। वहीं कई घायल जीवनभर के लिये विकलांगता झेलने को अभिशप्त हो जाते हैं। कमोबेश सारे देश में ऐसी घटनाएं सुनने में आती हैं जिनमें रोज सैकड़ों लोगों की जीवन लीला समाप्त हो जाती है। देश की इन कातिल सड़कों की हकीकत बताता केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय का एक डराने वाला आंकड़ा पिछले दिनों सामने आया। मंत्रालय के अनुसार पिछले दस सालों में हुए सड़क हादसों में 15 लाख लोग मारे गए। यह आंकड़ा भयावह है और इस गंभीरता को संबोधित करने की जरूरत बताता है। दरअसल, वर्ष 2014 से 2023 के बीच सड़क हादसों में 15.3 लाख लोग मारे गए। बताते हैं कि सड़क हादसों में मरने वाले लोगों में भारत दुनिया में शीर्ष पर है। यह हमारी व्यवस्था की नाकामी को भी उजागर कर रहा है कि क्यों हर साल डेढ़ लाख लोग मारे जा रहे हैं। सवाल उठाया जा सकता है कि आखिर भारत की सड़कों पर चलना जान हथेली पर लेकर चलने जैसा क्यों होता जा रहा है? आखिर दस साल में केंद्रशासित प्रदेश चंडीगढ़ जैसे शहर की आबादी से ज्यादा लोग क्यों अकारण मौत के मुंह में चले जाते हैं? आखिर उन लोगों का क्या कसूर था कि उनके हिस्से में ऐसी दर्दनाक मौत आई? आखिर क्यों हम पूरी दुनिया में सड़क हादसों में सबसे ज्यादा मरने वाले देश के रूप में जाने जाते हैं? ताजा आंकड़ों से पता चलता है कि देश में हर दस हजार किलोमीटर पर मरने वालों की दर 250 है जबकि अमेरिका, चीन और आस्ट्रेलिया में यह संख्या 57, 119 व 11 है। निश्चित रूप से भारत में सड़क दुर्घटनाओं में मरने वालों का यह आंकड़ा एक संवेदनशील व्यक्ति को हिलाकर रख देता है। हालांकि, देश में समय के साथ वाहनों की संख्या और सड़क निर्माण में भी वृद्धि हुई है, लेकिन दुर्घटनाओं का आंकड़ा कम नहीं हो रहा है। वर्ष 2012 में करीब 16 करोड़ गाड़ियां रजिस्टर्ड थी जो पिछले एक दशक में दुगनी हो गई हैं। लेकिन उस अनुपात में सड़कें नहीं बढ़ीं। जहां वर्ष 2012 में देश में भारतीय सड़कों की लंबाई 48.6 लाख किलोमीटर थी, तो वर्ष 2019 में यह 63.3 लाख किलोमीटर तक जा पहुंची थी। यहां यह विचारणीय प्रश्न है कि सड़क सुरक्षा के तमाम उपायों के बावजूद देश में सड़क हादसों में मरने वालों की संख्या कम क्यों नहीं हो रही है। इसके लिये ट्रैफिक व सामान्य पुलिस को सतर्क करने तथा यात्रियों को जागरूक करने की भी जरूरत है।

सुलगता मणिपुर, बेपरवाह सरकार

डॉ. दीपक पाचपोर

मणिपुर के जिरीबाम जिले में बहने वाली बारक नदी में शनिवार को 6 शव मिले। इनमें दो महिलाओं और एक बच्चे के मृत शरीर हैं। ये सोमवार से लापता थे। माना जाता है कि इनकी हत्या हुई है।

पिछले तकरीबन दो वर्षों से जातीय संघर्षो एवं उसके कारण उपजी हिंसा से मणिपुर धधक रहा है। भारतीय जनता पार्टी की केन्द्र एवं राज्य की सरकारों की लापरवाही और कुप्रशासन से हालात ठीक होने का नाम ही नहीं ले रहे हैं। वहां दिन ब दिन स्थिति नाजुक हो रही है। दो समुदायों (कुकी व मैतेई) के बीच तकरीबन रोज कहीं न कहीं सशस्त्र मुठभेड़ों के समाचार मिल रहे हैं। अब तो केन्द्रीय आरक्षित पुलिस बल (सीआरपीएफ) के कैंपों पर भी हमले हो रहे हैं जो अधिक चिंताजनक हैं। हालत की गम्भीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि मौजूदा हिंसा के बाद केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह विदर्भ की अपनी चुनावी रैलियां छोड़कर दिल्ली लौट गये।उन्होंने सीआरपीएफ के महानिदेशक अनीश दयाल को मणिपुर की राजधानी इम्फाल रवाना किया है ताकि वे मौके पर बैठकर हिंसा पर अंकुश लगाने सम्बन्धी कार्रवाइयों को निर्देशित कर सकें। हिंसा की नयी वारदात के मद्देनजर राज्य के छह जिलों में कर्फ़्यू लगा दिया गया है। इंटरनेट भी बन्द है। इसे देखते हुए इम्फाल में सेना तथा असम राइफल्स की ज्यादा टुकड़ियां तैनात कर दी गयी हैं। इम्फाल पूर्व, इम्फाल पश्चिम, बिष्णुपुर, थौबल और कचिंग जिलों में प्रतिबन्ध लगाये गये हैं क्योंकि उनमें हिंसा का उद्रेक ज्यादा है। मणिपुर के जिरीबाम जिले में बहने वाली बारक नदी में शनिवार को 6 शव मिले। इनमें दो महिलाओं और एक बच्चे के मृत शरीर हैं। ये सोमवार से लापता थे। माना जाता है कि इनकी हत्या हुई है। इसके कारण राज्य में तनाव बढ़ गया है। शवों को पोस्ट मार्टम के लिये असम के सिलचर के शासकीय अस्पताल में भेजा गया है। शनिवार को ही राजधानी में तीन मंत्रियों एवं 6 विधायकों के घरों में उपद्रवकारियों ने तोड़–फोड़ की। स्वास्थ्य व परिवार कल्याण मंत्री सापम रंजन (पश्चिम इम्फाल का लम्पेल संकेइथेल क्षेत्र), पीडीएस मंत्री एल. सुसींद्रो सिंह (इम्फाल पूर्व), शहरी विकास मंत्री वाई खेमचंद (इम्फाल पश्चिम के सिंगजमई) आदि के मकान हिंसक भीड़ के निशाने बने। इनमें मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह के दामाद आर के इमो का भी आवास शामिल है। एक बड़ी भीड़ सचिवालय की ओर भी बढ़ रही थी जिसे तितर–बितर करने के लिये सुरक्षा बलों ने आंसू गैस के गोले छोड़े। विधानसभा के निकट थंगमेईबंद में प्रदर्शनकारियों ने सड़कों पर टायर जलाये। प्रदेश सरकार के निकम्मेपन और नाकामी का आलम यह है कि खुद उनके मंत्री व्यथित हो चले हैं। सापम रंजन ने प्रदर्शनकारियों से कहा कि वे छह लोगों की हत्या का मामला केबिनेट में उठायेंगे और यदि सरकार ने लोगों की भावनाओं का सम्मान नहीं किया तो वे मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे देंगे। मानवाधिकार संगठनों की समन्वय समिति ने राज्य में उग्रवाद को नेस्तनाबूद करने के लिये 24 घंटों के भीतर सैन्य कार्रवाई की मांग की तो वहीं दूसरी ओर सशस्त्र बल विशेष शक्तियां अधिनियम (अफ्सा) को तत्काल रद्द करने की भी मांग दोहराई। राज्य में हिंसा इस कदर बढ़ गयी है कि सीआरपीएफ कैंपों पर भी हमले हो रहे हैं। उल्लेखनीय है कि 11 नवम्बर को सीआरपीएफ ने एक मुठभेड़ में 11 कुकी उग्रवादियों को मार गिराया था। इसकी नाराजगी के चलते भी उग्रवादी संगठन पुलिस एवं सुरक्षा बलों, खासकर सीआरपीएफ को निशाना बना रहे हैं। केन्द्र–राज्य सरकार दरअसल अब भी इस क्षेत्र में कुकी एवं मैतेई समुदायों के बीच सुलह कराने और उनसे संवाद करने में कोई रुचि नहीं दिखा रही है। सच तो यह है कि अपने राजनीतिक फायदे के लिये भाजपा इस संघर्षों को न केवल चलने देने में दिलचस्पी रखती है बल्कि उसे हवा भी दे रही है। कुकी ईसाइयत में तो वहीं मैतेई समुदाय हिन्दू मान्यताओं में यकीन रखता है। याद हो कि 2023 की मई में मणिपुर के एक इलाके में दो कुकी युवतियों को नग्न कर परेड के वीडियो सामने आये थे। इससे भारत समेत दुनिया भर में नाराजगी फैली थी। कई देशों में यह मामला उठा था लेकिन मोदी, शाह या भाजपा के किसी नेता ने इस पर एक लफ्ज तक नहीं कहा था। न ही संसद में इस पर चर्चा की गयी। देश की धर्मनिरपेक्ष छवि की कीमत पर भी मोदी–शाह चुप्पी साधे रहे और इसे अपनी ध्रुवीकरण की राजनीति का उपकरण बनाया था। इसी के चलते हालात यहां तक पहुंचे हैं। हालात की गम्भीरता का अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि देश में आग लग जाने के बाद भी चुनावी रैलियां और प्रचार कभी न छोड़ने वाले पीएम और तमाम भाजपा नेताओं के बीच अमित शाह अब बतौर गृहमंत्री अपनी जिम्मेदारी पूरी करने निकले हैं। विदर्भ के गढ़चिरोली तथा वर्धा एवं नागपुर जिले की काटोल व सावनेर में रविवार को शाह की प्रचार सभाएं आयोजित थीं। सुबह वे नागपुर के होटल से तो निकले पर अपनी सभाओं को रद्द कर दिल्ली रवाना हो गये। सम्भवतरू इसका आदेश खुद मोदी की ओर से आया होगा जो इस वक्त नाइजीरिया, ब्राजील एवं गुयाना के दौरे पर है। पूछा जा सकता है कि स्थिति ऐसी संगीन है तो मोदी विदेश क्यों गये? सवाल ही बेमानी हैय क्योंकि देखा यही गया है कि चुनाव प्रचार और विदेशी दौरे मोदी किसी भी हाल में नहीं छोड़ते। सच तो यह है कि मोदी व शाह ने मणिपुर की स्थिति को सुधारने के कभी गम्भीर प्रयास नहीं किये। उल्टे, त्रासदी का सियासी लाभ ही उठाया।

हरियाणा से बना निराशा का माहौल महाराष्ट्र झारखंड से दूर होने की उम्मीद!

शकील अख्तर

महाराष्ट्र, झारखंड और उत्तर प्रदेश सहित कुछ और राज्यों के विधानसभा उपचुनाव का प्रचार सोमवार शाम तक बंद हो जाएगा। प्रधानमंत्री और भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने इन चुनावों में लोकसभा चुनाव की तरह जबर्दस्त नफरत और तनाव फैलाने वाला प्रचार किया। महत्वपूर्ण यह है कि लोकसभा चुनाव में 240 पर रुक जाने के बाद जब हरियाणा में चुनाव हुए तो भाजपा का प्रचार दबा हुआ था। वह उस आक्रामकता के साथ प्रचार नहीं कर रही थी जैसा पिछले दस साल से वह हर चुनाव यहां तक कि नगरपालिकाओं और पंचायतों तक में कर रही थी। मगर हरियाणा में कांग्रेस की हार ने उसे फिर से उसी गुमान में पहुंचा दिया। मोदी को कोई नहीं हरा सकता। आएगा तो मोदी ही! यही अहंकार महाराष्ट्र–झारखंड विधानसभा चुनावों और यूपी के उपचुनावों के प्रचार में दिखा। वही डर दिखाना। जनता की समस्याओं बेरोजगारी, महंगाई पर बात नहीं करना। अभी अव्यवस्था, लापरवाही के कारण झांसी मेडिकल कालेज में दस नवजात शिशु जल कर मर गए। कई बुरी तरह झुलसी हुई अवस्था में हैं उनका कहीं कोई जिक्र नहीं करना। अभी आश्चर्यजनक रूप से मोरबी गुजरात में पुल गिरने से जो 135 लोग मारे गए थे, उस पुल का निर्माण करने वाले उद्योगपति जयसुख पटेल का सार्वजनिक सम्मान किया गया। पहले उन्हें जमानत मिली फिर कोर्ट ने मोरबी जाने की परमिशन दी और फिर वहां उन्हें लड्डुओं से तौला गया। और जब यह लड्डू वितरण हुआ तो पुल हादसे में मरे लोगों के परिजनों ने कहा कि यह हमारे जख्मों पर नमक छिड़कने के समान है। मगर कौन सुनता है? यह जो टीवी बहसें बटने कटने, बेटी छीनने पर होती हैं, इन पर स्पेशल प्रोग्राम बनते हैं उनमें 135 लोगों की मौत केस के प्रमुख आरोपी के सम्मान पर सवाल उठाने की जगह कहां है? ऐसे ही झांसी मेडिकल कालेज में बच्चों के जिन्दा जल जाने का जिम्मेदारी किसकी है यह कौन पूछ सकता है? बीजेपी फिर उसी तरह बड़े–बड़े दावे कर रही है, उससे भी बड़े–बड़े आरोप लगा रही है और मीडिया उन सबको जस्टिफाई (सही ठहराना) कर रहा है। हवा में चुनाव फिर हो रहा है।लेकिन भाजपा को वापस वही माहौल देने का जिम्मेदार कौन? कांग्रेस के वह खाए–पिए नेता जिन्हें तीसरी बार क्या तीन बार और हरियाणा हार जाएं तो फर्क नहीं पड़ता। हरियाणा ने पूरे देश का माहौल बिगाड़ दिया। सोचिए जैसा कि माहौल था उसके अनुरूप अगर हरियाणा के नतीजे आ जाते तो क्या प्रधानमंत्री मोदी और असम एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री इस तरह नफरत और विभाजन फैलाने वाली बातें करते? बिल्कुल नहीं। उन्हें जनता की तरफ आना पड़ता। उसकी बात सुनना पड़ती। अब तो फिर वह पहले की तरह जो मुंह में आया बोल रहे हैं। कोई जवाबदेही नहीं। हिन्दू–मुसलमान, हिन्दू–मुसलमान पूरे झारखंड और महाराष्ट्र में इसके अलावा कुछ नहीं। मणिपुर बुरी तरह जल रहा है। हालत कंट्रोल से बाहर हो गई है। और प्रधानमंत्री वहां जाने के बदले तीन देशों की विदेश यात्रा पर उड़ गए। डेढ़ साल से ज्यादा हो गया। प्रधानमंत्री मोदी एक बार भी मणिपुर नहीं गए। राहुल दो बार हो आए हैं। यही बात राहुल की उन्हें संवेदनशील नेता के तौर स्थापित करती है। मगर राजनीति बहुत बेरहम चीज होती है। वह केवल संवेदना के आधार पर नहीं चलती। उसे जीत की खुराक चाहिए होती है। लगातार। राहुल की संवेदना। समाज के हर वर्ग से जाकर मिलना। उनके दुख दर्द समझना, मदद करना सब अच्छी बातें हैं। इस भागम भाग के दौर में, जहां भावनाएं एआई (आर्टिफिशल इंटेलिजेंस, कृत्रिम बौद्धिकता) से दबाने की शुरूआत हो रही है, नारायण मुर्ति जैसे लोग युवाओं को सिर्फ दफ्तर में काम करते रहने की मशीन बनाने की बात कर रहे हैं। बिना जांचा हुआ उदाहरण देते हुए कहते हैं कि जब हमारे प्रधानमंत्री हफ्ते में सौ घंटे काम करते हैं तो युवाओं को 70 घंटे क्यों नहीं करना चाहिए? ऐसे में राहुल कामकाजी वर्ग, मिस्त्री, कारीगर, छोटे व्यापारी जैसे अभी एक दिन पहले नागपुर में पोहे वाले से मिले, उनसे बात करते हुए उनके श्रम और उसकी एवज में होने वाली आय के बारे में पूछते हैं। चिंता करते हैं। तसल्ली देते हैं। लेकिन इतना ही पर्याप्त नहीं है। मेरी कोशिश है कि सूरत बदलना चाहिए! सिर्फ हंगामा खड़ा करना मेरा मकसद नहीं!श दुष्यंत कुमार गजल को हिन्दी में क्रान्तिकारी तेवर देने वाले। लक्ष्य सूरत बदलना होना चाहिए। बिना आपकी सरकार आए आपके विचार केवल सांत्वना का काम करेंगे। गरीब की कमजोर की हालत नहीं बदलेंगे। राहुल महाराष्ट्र में महिलाओं से पूछ रहे थे कि साढ़े तीन हजार रुपए मिलेंगे तो क्या करेंगी बात करने के लिए विषय अच्छा है। मगर और अच्छा तब होता है जब आप पक्का देने की स्थिति में हो। उसी के लिए चुनाव जीतना पड़ता है। राजनीति में अपने सपनों को जमीन पर उतारने के लिए आपको सत्ता चाहिए। कार्ल मार्क्स के विचार अगर लेनिन सत्ता हासिल करके लागू नहीं करते तो क्या मार्क्सवाद को लोग आज इतना जानते? गांधी अगर आजादी नहीं पाते और उनके बाद नेहरू उनके नाम को इतना जिन्दा नहीं रखते तो क्या आज भाजपा संघ को गांधी से इतना परेशान होने की जरूरत पड़ती? गांधी का नाम खुद ही खत्म हो गया होता। अभी तक गोडसे के महिमामंडन की जरूरत नहीं पड़ती। क्या आप लोगों ने नोटिस किया कि इस बार अभी दो दिन पहले गोडसे की फांसी के दिन को याद किया गया। अखबारों में बड़े विश्लेषण थे। टीवी में भी प्रोग्राम थे। मतलब उसका पक्ष रखना। और उसका पक्ष रखने का मतलब गांधी को गलत साबित करना। यह सब अभी तक करना पड़ रहा है इसीलिए गांधी आजादी पाने में सफल रहे और उनके बाद नेहरू उनके नाम को जिन्दा रखे। इसलिए यहां हरियाणा की बात आई। जिसने पूरे देश की आशा को निराशा में पलट दिया। उसके अपराधी निश्चिंत हैं। उनकी तरफ किसी का ध्यान नहीं है। सारा मामला चुनाव आयोग पर डाल दिया गया है। कोई कांग्रेस से यह पूछने को तैयार नहीं है कि चुनाव आयोग ने किया। तो आप उसका क्या बिगाड़ लोगे? वह मन ही मन हंसता होगा कि जब तक तुम में ताकत नहीं है तुम मेरा क्या कर लोगे? मैं और करुंगा। जब भी आदेश मिलेगा करुंगा। अरे चुनाव आयोग तो मोदी जी का सबसे प्रमुख साथी है। उससे लड़ो मगर अपना घर भी देखो। चुनाव आयोग से लड़ने का मतलब है उसे दबाव में लेना। कि देख उनके कहने से गड़बड़ी मत कर हम बख्शेंगे नहीं। बहुत कड़ी सजा देंगे, दिलवाएंगे। वह थोड़ा डर सकता है। लेकिन अंतिम बात तो यही है कि चुनाव आपको इतनी ताकत से लड़ना और जीतना पड़ेगा कि चुनाव आयोग चाहे तब भी कुछ नहीं कर सके। परीक्षक किसी को फेल तब ही कर सकता है जब उसके 40–45 परसेन्ट मार्क्स हों। उन्हें काट–पीट कर वह 28–30 तक ला सकता है। मगर 70–80 परसेंट वाले को फेल करने की हिम्मत वह कभी नहीं कर सकता। हरियाणा में कांग्रेस इतने ही स्कोर पर जा रही थी। मगर हरियाणा के कांग्रेसी नेताओं ने ही उसे खींचकर इतना नीचे कर दिया कि चुनाव आयोग के लिए सब आसान हो गया। राहुल में बहुत अच्छाईयां हैं। जैसे ऊपर लिखा। मानवीयता, गरीब प्रेम, देश के विकास के लिए आधुनिक सोच। मगर यह सब करेंगे कैसे? चुनाव जीतना पड़ेंगे। अब हार उनकी पार्टी सहन नहीं कर सकती। जीते हुए राज्य हारे हैं। लोकसभा में किसी क्षत्रप का कोई हस्तक्षेप नहीं था तो गठबंधन हुआ। विपक्ष एक रहा। मोदी बहुमत नहीं पा सके। उस दिन से लेकर हरियाणा के नतीजे के दिन तक निराशा में रहे। मगर हरियाणा की अप्रत्याशित जीत ने उन्हें वापस 2014 वाला आत्मविश्वास दे दिया।

श्रीलंका में वामपंथी गठबंधन की शानदार जीत दक्षिण एशिया में एक बड़ी घटना

नित्य चक्रवर्ती

श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा दिसानायके ने रविवार, 14 नवंबर को संसद के लिए हुए चुनावों में भारी जीत के साथ 21 दलों के अपने वामपंथी गठबंधन नेशनल पीपुल्स पावर (एनपीपी) को द्वीप राष्ट्र में सत्ता में ला खड़ा किया है। एनपीपी की जीत मार्क्सवादी राष्ट्रपति अनुरा दिसानायके के लिए व्यक्तिगत जीत है, जिन्होंने इस साल सितंबर में ऐतिहासिक राष्ट्रपति चुनाव में राष्ट्रपति के रूप में अपने चुनाव के तुरंत बाद संसद को भंग करने और 14 नवंबर को नये चुनाव कराने की घोषणा की थी। 55 वर्षीय दिसानायके श्रीलंकाई लोगों के चुनावी व्यवहार में बदलाव के मूड का सही आकलन कर सकते थे, क्योंकि वे दशकों से देश पर शासन करने वाले वंशवादी राजनीतिक दलों से थक चुके थे। निवर्तमान संसद में, एनपीपी के पास कुल 225 में से केवल तीन सीटें थीं, लेकिन फिर भी, राष्ट्रपति अनुरा दिसानायके ने एक नया जनादेश मांगने का जोखिम उठाया। दिसानायके, जिनकी जेवीपी ने 1970 और 1980 के दशक में सत्तारूढ़ श्रीलंका सरकार के खिलाफ खूनी सशस्त्र विद्रोह का नेतृत्व किया था, ने भ्रष्टाचार से लड़ने और दक्षिण एशियाई राष्ट्र के वित्त को मजबूत करने के लिएश्वैकल्पिक साधनोंच की तलाश करने का संकल्प लिया है, जो गरीबों पर कम बोझ डालते हैं। उन्होंने श्रीलंका में मितव्ययिता उपायों और आवश्यक वस्तुओं की भारी कमी के खिलाफ 2022 के बड़े पैमाने पर विद्रोह में प्रमुख भूमिका निभाई। इसके कारण तत्कालीन राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे को इस्तीफा देना पड़ा। उनकी जगह रानिल विक्रमसिंघे को नियुक्त किया गया, जो बीमार अर्थव्यवस्था की देखभाल करने में अपनी विफलता के कारण अलोकप्रिय रहे। दिसानायके की पार्टी जेवीपी ने तत्कालीन श्रीलंकाई सरकारों के खिलाफ दो बार हथियार संघर्ष का सहारा लिया था, लेकिन पिछले दशक में इसने अपना रुख बदल लिया और संसदीय लोकतंत्र के माध्यम से काम करने वाले राजनीतिक गठबंधन में तब्दील हो गई। संसद में आरामदायक बहुमत राष्ट्रपति दिसानायके को बिना किसी बाधा के अपने प्रस्तावित कार्यक्रमों को लागू करने में आगे बढ़ने का मौका देगा। श्रीलंका के लोगों का मूड बदलाव के लिए है और वे राष्ट्रपति और उनके गठबंधन एनपीपी को उस बदलाव का अगुआ मानते हैं। राष्ट्रपति दिसानायके यहजानते हैं। श्रीलंका के लोगों को उनके प्रशासन से बहुत उम्मीदें हैं। अब उनके पास बहुमत है, वे अपनी मर्जी से सुधारों को लागू कर सकते हैं, बहानेबाजी की कोई गुंजाइश नहीं है। विपक्ष के नेता के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान अनुरा दिसानायके ने स्थिरता के लिए आईएमएफ की नीतियों की कड़ी आलोचना की थी। लेकिन राष्ट्रपति बनने के बाद उन्होंने कार्यक्रम को स्वीकार कर लिया है। हालांकि वे आबादी के सबसे गरीब तबके पर इसके प्रतिकूल प्रभाव को कम करने की संभावनाओं पर विचार कर रहे हैं। एनपीपी कार्यक्रम में सार्वजनिक क्षेत्र के उद्योगों को पुनर्गठित करने और कुछ निजी क्षेत्र की कंपनियों के संचालन की निगरानी करने की बड़ी योजनाएं हैं, जो पहले जांच के दायरे में थीं।श्रीलंका भले ही आर्थिक संकट में हो, लेकिन लोगों का जीवन स्तर भारत और अन्य दक्षिण एशियाई देशों की तुलना में बहुत ऊंचा है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा कई रिपोर्टों में शिक्षा के स्तर और महिला सशक्तिकरण की प्रशंसा की गई है। मुद्दे हैं प्रशासन के उच्च स्तर पर भ्रष्टाचार, जिसमें पहले के शासक परिवार शामिल हैं, और कुछ आवश्यक वस्तुओं के वितरण में समस्याएं। हाल के वर्षों में श्रमिकों और कम वेतन वाले श्रीलंकाई लोगों की वास्तविक आय में गिरावट आई है। बेरोजगारी भी अचानक बढ़ गई है जबकि अन्य दक्षिण एशियाई देशों की तरह श्रीलंका में भी आर्थिक वृद्धि हुई है। यदि एनपीपी अध्यक्ष एनपीपी कार्यक्रम के अनुसार अर्थव्यवस्था और सामाजिक जीवन में बुनियादी बदलाव लाना चाहते हैं, तो दिसानायके सरकार को अगले एक साल में श्रीलंकाई नागरिकों की संतुष्टि के लिए इन ज्वलंत मुद्दों से निपटना होगा। रास्ता कठिन है, लेकिन दिसानायके के पास बहुमत की सुविधा है। श्रीलंका को चीन और भारत दोनों की जरूरत है। हालांकि एक मार्क्सवादी के रूप में, दिसानायके अपनी विदेश नीति के दृष्टिकोण से भारत की तुलना में चीन के प्रति अधिक मैत्रीपूर्ण रहेंगे, लेकिन एक व्यावहारिक होने के नाते, उनसे चीनी दबाव के आगे बहुत अधिक झुकने की उम्मीद नहीं है। उम्मीद है कि वे वियतनाम के उदाहरण का अनुसरण करते हुए चीन और अमेरिका दोनों के साथ व्यापारिक संबंध बनाये रखते हुए केवल देश के हित में काम करेंगे। वियतनाम को दक्षिण चीन सागर के पानी में चीनी राष्ट्रवादी महत्वाकांक्षाओं को जानने का अच्छा अनुभव है, जिसमें आधिकारिक तौर पर वियतनाम के क्षेत्र शामिल हैं। इस तरह से दिसानायके से उम्मीद की जाती है कि वे खुद मार्क्सवादी होने के बावजूद शी जिनपिंग के नेतृत्व में चीन से निपटने में सतर्क रहेंगे। भारत के संबंध में, यह सब इस बात पर निर्भर करता है कि भारत नई सरकार के साथ अपने संबंधों को कैसे आगे बढ़ाता है। भारत ने 2022 के संकट के दौरान और बाद में पिछले दो वर्षों में कोलंबो की बहुत मदद की है। वामपंथी राष्ट्रपति से भारत के लिए कोई समस्या पैदा करने की उम्मीद नहीं है क्योंकि भारत–श्रीलंका सहयोग कोलंबो को अधिक मदद करता है। लेकिन एक छोटी सी समस्या है। एनपीपी गठबंधन सहयोगियों और जेवीपी सदस्यों में भी भारत विरोधी भावना है। इसका कारण यह है कि प्रधानमंत्री मोदी दक्षिणपंथी पार्टी भाजपा के नेता हैं और वे सार्क सदस्यों में अमेरिका के सबसे करीब हैं। जेवीपी सदस्य आम तौर पर अमेरिका विरोधी हैं और वे भारत के हिंद महासागर में अमेरिकी रणनीति का हिस्सा बनने के खिलाफ हैं। नरेंद्र मोदी को नये श्रीलंकाई राष्ट्रपति से खुले दिमाग से बात करनी चाहिए, यह नहीं सोचना चाहिए कि दिसानायके चीन के प्रति नरम हैं। चीन के प्रति घृणा को किसी भी दक्षिण एशियाई देश के साथ संबंधों के बारे में भारतीय प्रधानमंत्री के निर्णय को निर्धारित नहीं करना चाहिए। भारत आर्थिक सहयोग के क्षेत्रों का विस्तार करके और अधिक वित्तीय सहायता प्रदान करके श्रीलंका का एक महान मित्र बन सकता है। भारत और नरेंद्र मोदी के लिए, महत्वपूर्ण मुद्दा श्रीलंका में नये राष्ट्रपति के आने के बाद दक्षिण एशियाई देशों के बीच भारत का अलग–थलग पड़ना है। सार्क के आठ देशों – अफगानिस्तान, बांग्लादेश, भारत, भूटान, पाकिस्तान, मालदीव, नेपाल और श्रीलंका – में से दो देशों का नेतृत्व अब वामपंथी कर रहे हैं– नेपाल और श्रीलंका। बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान के साथ भारत के संबंध खराब स्थिति में हैं – सामान्य नहीं। भूटान, नेपाल और मालदीव के साथ संबंध अब पहले के तनाव से मुक्त हैं, लेकिन पूरी तरह से सामान्य नहीं हैं। अब देखना यह है कि कोलंबो में राष्ट्रपति अनुरा दिसानायके और उनकी एनपीपी के सत्ता में आने के बाद आने वाले महीनों में श्रीलंका के साथ संबंध किस तरह से आकार लेते हैं।

शोभिता धुलिपाला नागा चैतन्य अगले महीने लेंगे सात फेरे

फिल्म इंडस्ट्री की खूबसूरत अभिनेत्री शोभिता धुलिपाला और नागा चौतन्य के शादी की तारीख आ चुकी है। दोनों अगले महीने सात फेरे लेंगे। सोशल मीडिया पर शोभिता और नागा चौतन्य की शादी का कार्ड वायरल हो रहा है। खूबसूरत कलाकार 4 दिसंबर को एक–दूजे का हाथ थामेंगे और सात फेरे लेंगे। वायरल ऑफ व्हाइट कलर के कार्ड में शादी की तारीख स्पष्ट देखी जा सकती है, जो कि रेड कलर से प्रिंट है। बता दें कि तेलुगू एक्टर नागा चौतन्य और शोभिता धुलिपाला ने हाल ही में सगाई की थी। दोनों ने हैदराबाद में अपने करीबी दोस्तों और रिश्तेदारों की मौजूदगी में एक–दूसरे को अंगूठियां पहनाईं। चौतन्य के पिता और सुपरस्टार नागार्जुन ने बेटे और होने वाली बहू को बधाई दी और परिवार में स्वागत किया। तेलुगू सुपरस्टार नागार्जुन अक्किनेनी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर सगाई की खबर को कंफर्म करते हुए तस्वीरें शेयर कीं। इन तस्वीरों में वह अपने बेटे और बहू को गले लगाते हुए दिखाई दे रहे हैं। वहीं, दूसरी तस्वीर में शोभिता नागा चौतन्य के कंधे पर सिर रखकर पोज देती नजर आ रही हैं। फोटो में दोनों की जोड़ी शानदार लग रही है। तस्वीरों में दोनों ट्रेडिशनल आउटफिट में हैं, जहां शोभिता ने पीच और पिंक कलर की साड़ी पहनी है, जिसमें वह बेहद खूबसूरत लग रही हैं, वहीं चौतन्य व्हाइट कुर्ता–पायजामा में दिख रहे हैं। इन तस्वीरों को शेयर करते हुए नागार्जुन ने एक्स पर लिखा था, हमें अपने बेटे नागा चौतन्य की शोभिता धुलिपाला से सगाई की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है...। हमें अपने परिवार में उनका स्वागत करते हुए बहुत खुशी हो रही है। हैप्पी कपल को बधाई! उनके लाइफटाइम लव और हैप्पीनेस की कामना करता हूं। गॉड ब्लेस! अनंत प्यार की शुरुआत। नागा चौतन्य की यह दूसरी शादी है। उन्होंने पहली शादी साउथ एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु से की थी। हालांकि, साल 2017 में की गई शादी ज्यादा नहीं चली और उन्होंने साल 2021 में तलाक ले लिया। वहीं, शोभिता से नागा चौतन्य की मुलाकात सामंथा से तलाक के कुछ महीने बाद हुई थी। दोनों 2022 में लंदन के एक रेस्तरां में लंच डेट पर साथ देखे गए थे। यहां से डेटिंग की अफवाहें सोशल मीडिया पर फैलनी शुरू हो गईं।

> “
> सोशल मीडिया पर शोभिता और नागा चौतन्य की शादी का कार्ड वायरल हो रहा है। खूबसूरत कलाकार ४ दिसंबर को एक-दूजे का हाथ थामेंगे और सात फेरे लेंगे। वायरल ऑफ व्हाइट कलर के कार्ड में शादी की तारीख स्पष्ट देखी जा सकती है, जो कि रेड कलर से प्रिंट है। बता दें कि तेलुगू एक्टर नागा चौतन्य और शोभिता धुलिपाला ने हाल ही में सगाई की थी।

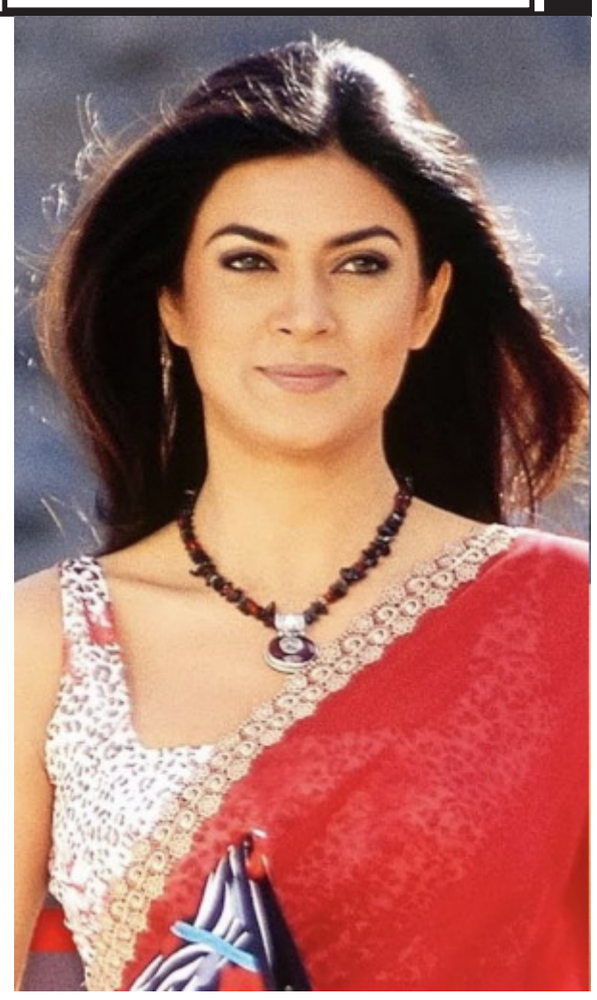

18 की उम्र में मिस यूनिवर्स और 40 से अधिक फिल्मों में काम, बर्थडे पर डालिए सुष्मिता सेन के फिल्मी सफर पर एक नजर

बॉलीवुड अभिनेत्री और पूर्व मिस यूनिवर्स सुष्मिता सेन आज यानी की 19 नवंबर को 49वां जन्मदिन मना रही हैं। बता दें कि आंध्रप्रदेश के हैदराबाद में 19 नवंबर 1975 को सुष्मिता सेन का जन्म हुआ था। इनके पिता सुबीर सेन एयर फोर्स में विंग कमांडर थे। जबकि उनकी मां शुभरा सेन ज्वेलरी के बिजनेस से ताल्लुक रखती थीं। सुष्मिता ने साल 1994 में मिस इंडिया की प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था। इसमें वह फर्स्ट आई थीं। फिर साल 1994 में ही वह मिस यूनिवर्स चुनी गईं। तो आइए जानते हैं उनके बर्थडे के मौके पर अभिनेत्री सुष्मिता सेन के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में...

बता दें कि साल 1996 में प्रदर्शित फिल्म दस्तक से सुष्मिता सेन ने अपने सिने करियर की शुरूआत की थी। लेकिन यह फिल्म कुछ खास नहीं कर पाई। इसके बाद साल 1997 में अभिनेत्री को सनी देओल के साथ काम करने का मौका मिला और यह फिल्म भी फ्लॉप साबित हुई। साल 1999 में एक्ट्रेस के लिए काफी अच्छा साल साबित हुआ। इस साल सुष्मिता सेन की फिल्म श्बीबी नंबर वनश और श्सिर्फ तुमश सुपरहिट फिल्में साबित हुईं। फिल्म बीबी नंबर वन के लिए एक्ट्रेस को सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री को फिल्म फेयर पुरस्कार से सम्मानित किया गया। साल 2002 में सुष्मिता सेन को मेघना गुलजार के साथ काम करने का मौका मिला। अभिनेत्री सुष्मिता सेन मेघना की फिल्म श्फिलहालश का हिस्सा बनीं। यह मेघना की भी पहली निर्देशित फिल्म थी। इस फिल्म में अपनी शानदार एक्टिंग के लिए एक्ट्रेस को एक बार फिर फिल्म फेयर पुरस्कार के लिये नामांकित किया गया। इसके बाद साल 2004 में आई फिल्म श्मैं हूं नाश सुष्मिता के फिल्मी करियर की सबसे महत्वपूर्ण फिल्मों में शामिल है। इस फिल्म में सुष्मिता को पहली बार शाहरुख खान के साथ काम करने का मौका मिला। यह फिल्म सुपरहिट साबित हुई और फिर साल 2005 में एक्ट्रेस ने सलमान खान के साथ फिल्म श्मैंने प्यार क्यों कियाश जैसी सुपरहिट फिल्म दी। हालांकि इसके अलावा भी अभिनेत्री ने अन्य कई फिल्मों में काम किया, लेकिन वह फिल्में बॉक्स ऑफिस पर खास कमाल नहीं कर पाईं। बता दें कि सुष्मिता सेन की साल 2010 में फिल्म श्नो प्रॉब्लमश रिलीज हुई। एक्ट्रेस ने अपने फिल्मी करियर में करीब 40 से ज्यादा फिल्मों में काम किया है। सुष्मिता सेन की फिल्में हिंदुस्तान की कसम, तुमको ना भूल पायेंगे, चिंगारी, बेवफा, क्योंकि मैं झूठ नहीं बोलता, आंखें, जिदंगी रॉक्स, कर्मा और होली, डु नॉट डिसटर्ब, दुल्हा मिल गया आदि में काम किया है। इसके अलावा अभिनेत्री ने आर्या ,आर्या 2 ,आर्या 3 और ताली जैसी वेबसीरीज में भी अपनी अदाकारी का जलवा बिखेरा है।

हैदराबाद विवाद के बीच अहमदाबाद में दिलजीत के शो में पहुचे अभिनेता कार्तिक आर्यन

हाल ही में भूल भुलैया 3 की सफलता को आनंद ले रहे अभिनेता कार्तिक आर्यन अहमदाबाद में पंजाबी सिंगर दिलजीत दोसांझ के शो में शामिल हुए। दोनों को मंच पर एक साथ देखा गया। कार्तिक ने अपने इंस्टाग्राम पर दिलजीत के साथ अपनी कई तस्वीरें शेयर की। तस्वीर में दिलजीत और कार्तिक दोनों काले रंग के आउटफिट में नजर आ रहे हैं। एक तस्वीर में कार्तिक दिलजीत को गले लगाते हुए दिख रहे हैं। एक अन्य तस्वीर में दोनों एक–दूसरे को देखकर मुस्कुरा रहे थे। कार्तिक और दिलजीत ने स्टेज पर परफॉर्म भी किया और एक–दूसरे के साथ काफी अच्छा समय बिताया। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें दिलजीत कार्तिक की फिल्म भूल भुलैया 3 का गाना हरे कृष्णा हरे राम गाते हुए सुनाई दे रहे हैं, जिसमें माधुरी दीक्षित, विद्या बालन और तृप्ति डिमरी सहित कई अन्य कलाकार भी हैं। दिलजीत ने 17 नवंबर को अहमदाबाद में परफॉर्म किया। उनका अगला पड़ाव लखनऊ है, इसके बाद वह पुणे, कोलकाता, बेंगलुरु, इंदौर और चंडीगढ़ में परफॉर्म करेंगे। उनका यह टूर 29 दिसंबर को गुवाहाटी में समाप्त होगा। पंजाबी के इस सिंगर ने शनिवार को अपने कॉन्सर्ट के दौरान तेलंगाना सरकार को करारा जवाब दिया था। तेलंगाना सरकार ने उन्हें एक नोटिस भेजा था, जिसमें उन्हें शराब, ड्रग्स और हिंसा को बढ़ावा देने वाले गाने न गाने का निर्देश दिया गया था। एक वीडियो में दिलजीत को यह कहते हुए सुना गया, ष्कोई बाहर से कलाकार आएगा वो जो मर्जी गा के जाए, जो मर्जी करे कोई टेंशन नहीं है। लेकिन अपना कलाकार घर आ रहा है, उसमें आपको परेशानी आती है, पर मैं भी एक बात बता दूं, दोसांझ का रब है, मैं नहीं छोड़ूंगा। कई लोगों को तो यह पच नहीं हो रहा है कि इतने बड़े शो क्यों हो रहे हैं? ये टिकट 2 मिनट में बिकती है। मैं बहुत समय से काम कर रहा हूं। मैं एक दिन में मशहूर नहीं हुआ एनडीटीवी के अनुसार, दिलजीत के हैदराबाद कॉन्सर्ट के कई क्लिप सोशल मीडिया पर वायरल हो गए, क्योंकि उन्होंने सरकार के निर्देश के बाद अपने कई मशहूर गानों के बोल बदल दिए।

परिणीति चोपड़ा

ठंड से परेशान हुईं , बोलीं– 'ब्लैंकेट जिंदाबाद'

अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा ने सोशल मीडिया पर बीटीएस तस्वीरें शेयर कीं। ये उनके स्टूडियो डेज की याद दिलाती हैं। इन पिक्स को 'इश्कजादे' अभिनेत्री ने मजेदार कैप्शन से सजाया है। इंस्टाग्राम पर अपने एक पसंदीदा 'स्टूडियो' में रिकॉर्डिंग के दौरान ली गई तस्वीरों और वीडियो को शेयर कर कैप्शन में लिखा स्टूडियो डे! लेकिन स्टूडियो में एसी का तापमान कौन सेट करता है।" अभिनेत्री ने हैशटैग के साथ लिखा ब्लैंकेट जिंदाबाद। शेयर किए गए पोस्ट में इश्कजादेश अभिनेत्री कॉफी का कप थाम बड़े अंदाज में सेल्फी लेते वक्त बोलती हैं अरे रिकॉर्डिंग। एक अन्य शॉर्ट वीडियो में वह 'इश्कजादे' का लोकप्रिय ट्रैक 'मैं परेशान मैं परेशान' गा रही हैं। परिणीति की पोस्ट पर प्रशंसकों ने जमकर कमेंट्स किए। एक प्रशंसक ने लिखा "हम हमेशा परेशान हैं, सुकून के लिए आपके गीतों की जरूरत है। एक अन्य ने लिखा, मेरी प्यारी दीदी, आपसे प्यार करता हूं। अभिनेत्री ने हाल ही में अपना खुद का यूट्यूब चौनल लॉन्च किया है और जिसकी घोषणा उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट के माध्यम से की। उन्होंने कहा, मैं हमेशा एक बहुत ही निजी व्यक्ति रही हूं, मैं हमेशा मीडिया पर ज्यादा समय नहीं बिताती हूं, मैं अपने जीवन का केवल एक प्रतिशत सोशल मीडिया पर शेयर करती हूं। उन्होंने आगे कहा अब जब मैं अपने जीवन में बहुत कुछ कर रही हूं तो आखिरकार समय आ गया है कि मैं अपने जीवन के पर्दे के पीछे की बातों को प्रशंसकों संग शेयर करूं। अभिनेत्री ने आगे कहा "मैं बहुत यात्रा करती हूं, मैं कुछ पागलपन भरे साहसिक काम, स्कूबा डाइविंग करती हूं, पढ़ती हूं और हमेशा गाती रहती हूं। इसलिए मैंने अपना यूट्यूब चौनल खोलने का फैसला लिया है। मैं बहुत उत्साहित हूं क्योंकि अब मुझे हर दिन किए गए अपने कामों के बारे में सबको जवाब नहीं देना पड़ेगा। वर्कफ्रंट की बात करें तो इसी साल इम्तियाज अली द्वारा निर्देशित बायोपिक 'अमर सिंह चमकीला' में नजर आई थीं। फिल्म में उनके साथ मुख्य भूमिका में सिंगर–एक्टर दिलजीत दोसांझ थे।

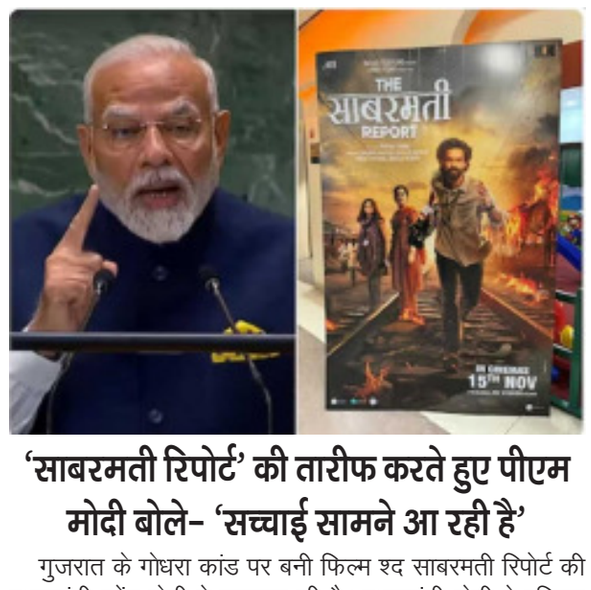

'साबरमती रिपोर्ट' की तारीफ करते हुए पीएम मोदी बोले– 'सच्चाई सामने आ रही है'

गुजरात के गोधरा कांड पर बनी फिल्म श्द साबरमती रिपोर्ट की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सराहना की है। प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार को तारीफ करते हुए कहा कि फेक नैरेटिव ज्यादा दिनों तक नहीं चलता। अच्छी बात है कि यह सच्चाई सामने आ रही है। पीएम मोदी ने अपने ऑफिशियल एक्स हैंडल से एक पोस्ट को दोबारा शेयर करते हुए लिखा "बहुत बढ़िया कहा आपने। यह अच्छी बात है कि यह सच्चाई सामने आ रही है और वह भी इस तरह से कि आम लोग इसे देख सकें। एक फेक नैरेटिव ज्यादा दिनों तक चलता नहीं है। आखिरकार तथ्य हमेशा सामने आते हैं!" पीएम मोदी का उल्लेख कर आलोक भट्ट नामक सोशल मीडिया यूजर ने लिखा कि मुझे क्यों लगता है कि फिल्म 'द साबरमती रिपोर्ट' जरूर देखनी चाहिए। मैं अपने विचार साझा करना चाहता हूं। यह प्रयास विशेष रूप से सराहनीय है क्योंकि यह हमारे हाल के इतिहास की सबसे शर्मनाक घटनाओं में से एक महत्वपूर्ण सच्चाई को सामने लाता है। फिल्म के निर्माताओं ने इस मुद्दे को बहुत संवेदनशीलता और गरिमा के साथ संभाला है। एक बड़े मुद्दे पर हम सभी के लिए यह आत्मनिरीक्षण करने लायक है कि कैसे 'साबरमती एक्सप्रेस' के यात्रियों को जलाए जाने की घटना को एक निहित स्वार्थी समूह द्वारा राजनीतिक बारूदी सुरंग में बदल दिया गया, जिसने इसे एक नेता की छवि को धूमिल करने के साधन के रूप में देखा।

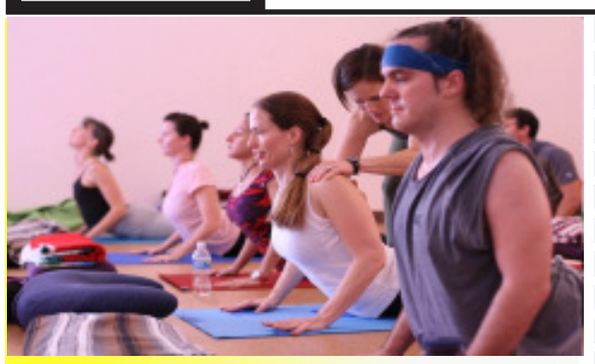

दिनभर नहीं लगती है भूख तो रोजाना इन योगासन का करें अभ्यास, लगने लगेगी भूख

दिनभर बिना खाए रहना या भूख नहीं लगना यह एक सामान्य परेशानी है। यह परेशानी किसी भी उम्र में हो सकती है। हालांकि पूरा दिन बिना खाए रहना या फिर भूख न लगना, इसके अपने कुछ दुष्प्रभाव हो सकते हैं। कई बार स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं जैसे थायराइज, डायबिटीज, कैंसर या फिर अन्य किसी बीमारी के कारण भूख कम हो जाती है। वहीं चिंता और मानसिक तनाव भी भूख को प्रभावित करती है। इसके अलावा व्यस्त लाइफस्टाइल, दवाओं के सेवन, अनियमित और अपूर्ण आहार, मासिक धर्म के समय आदि कई कारणों से भूख न लगने की समस्या हो सकती है। जब आपको भूख नहीं लगती है और आप खाना नहीं खाते हैं, तो इससे शरीर में पौष्टिकता की कमी हो सकती है। जिसकी वजह से कमजोरी लगना, वजन कम होना और लंबे समय तक भूखे रहने से अन्य स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं आपको घेर सकती हैं। ऐसे में भूख न लगने की समस्या यदि आपके साथ भी है, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे योगासन के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनका अभ्यास करने से भूख बढ़ाने में सहायता मिलती है और साथ ही आपका स्वास्थ्य भी दुरुस्त रहता है।

धनुरासन

इस आसन का अभ्यास वेट कम करने के अलावा पाचन तंत्र को बेहतर बनाने और भूख न लगने की समस्या को दूर करने के लिए काफी अच्छा माना जाता है।

ऐसे करें अभ्यास

इस आसन का अभ्यास करने के लिए पेट के बल लेट जाएं और दोनों पैरों के बीच गैप बना लें। अब घुटनों को ऊपर की तरफ मोड़ते हुए एड़ियों को अपने हाथों से पकड़ें और छाती और पैरों को ऊपर की तरफ ऊठाएं। इससे आपको थाइज और बाजुओं पर खिंचाव महसूस होगा। इस पोजीसन में कुछ देर रहने के बाद सामान्य अवस्था में वापस लौट आएं।

वज्रासन

इस आसन का अभ्यास करना भी भूख बढ़ाने के लिए लाभकारी साबित हो सकता है। साथ ही आप वज्रासन का अभ्यास कभी भी और कहीं भी कर सकते हैं।

ऐसे करें अभ्यास

इस आसन को करने के लिए घुटनों के बल बैठ जाएं और ध्यान रखें कि आपके पैरों के बीच में गैप न हो। दोनों पैरों के अंगूठे एक साथ मिले होने चाहिए। अब हिप्स को एड़ियों पर टिकाएं और कमर को सीधा रखते हुए हथेलियों को घुटनों पर रखें। इस दौरान आपके दोनों घुटने भी आपस में मिले होने चाहिए। अब श्वास लेने पर ध्यान केंद्रित करते हुए थोड़ी देर बाद सामान्य अवस्था में वापस आ जाएं।

भुजंगासन

बता दें कि भूख न लगने का एक मुख्य कारण पेट की गड़बड़ी भी हो सकती हैं। ऐसे में भुजंगासन का अभ्यास आपकी इस समस्या का समाधान कर सकता है और आपकी पाचन क्रिया को बेहतर बनाने में सहायता करता है।

ऐसे करें भुजंगासन का अभ्यास

सबसे पहले पेट के बल लेट जाएं और दोनों हाथों को साइड में रखें और पैरों के बीच दूरी बनाकर रखें। अब दोनों हाथों पर दबाव देते हुए शरीर के अगले हिस्से को उठाएं और आसमान की ओर देखें। इस दौरान सांसों का क्रम सामान्य बनाए रखें। कुछ देर इस पोजीशन में रहें और फिर धीरे–धीरे सामान्य अवस्था में वापस आ जाएं।

फ्रिज में मिर्च रखने के वाबजूद भी सड़ जाती है तो इस तरह करें स्टोर, लंबे समय तक रहेगी फ्रेश

जिन लोगों को तीखा–चटपटा खाने का बहुत शौक होता है, वो लोग हरी मिर्च को रोजाना खूब खाते हैं। बाजार से हरी–ताजा मिर्च लेकर आते हैं फ्रिज में रखने से सड़ने लगती है। ज्यादा दिन तक रखें रहने से मिर्च भी गलने लगती है या फिर लाल होने लगती है। जिस वजह से लोग इसे ज्यादा दिन तक स्टोर करने से बचने लगते है। आइए आपको बताते हैं कैसे हरी मिर्च को ज्यादा दिन तक स्टोर करें।

खराब मिर्चीं को अलग करें

अगर आप सभी मिर्ची को अच्छे से धो लें और फिर गली और खराब मिर्ची को अलग कर दें। यदि सड़ी–गली मिर्च रहती है तो बाकी मिर्ची के खराब होने डर नहीं रहता।

जिप लॉक में रखें

लंबे समय तक मिर्ची को फ्रेश रखने के लिए आप पहले इन्हें धोएं और फिर ड्राई कर लें। फिर इसकी डंठल तोड़ दें और फिर मिर्च को जिप लॉक बैग में रख लें उसके बाद फ्रिज में रख दें। यदि आपको ज्यादा समय के लिए रखना है तो आप पाउच को फ्रीजर के आइसबॉक्स में जमा सकते हैं।

तोड़ दें हरी मिर्च की डंडी

सबसे पहले आप मिर्ची को पानी में कुछ देर के लिए भिगोएं और इसके बाद निकाल लें। इसको लंबे समय तक स्टोर करने के लिए आप इसकी डंडी तोड़ दें। हरी मिर्च का पानी सूख जाए तो इसे एयर टाइट कंटेनर में स्टोर करें।

काम आएगा पेपर टॉवल

ज्यादा दिन तक हरी मिर्च को स्टोर करने के लिए आप पेपर टॉवल का यूज कर सकते हैं। पहले आप मिर्ची को धो लें इसके बाद पेपर के तौलिये के यूज से इस्तेमाल करें।

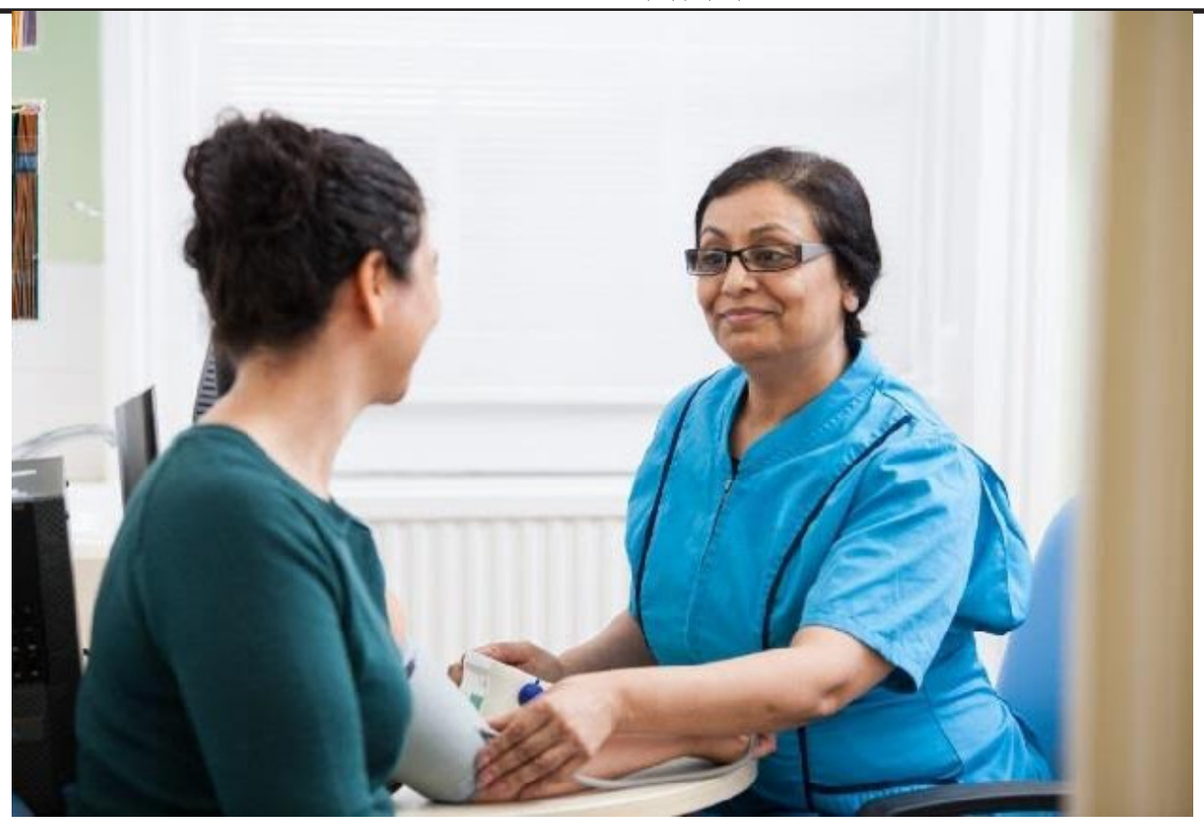

अबॉर्शन कराने का जानें कब है सही समय, सेहत पर नहीं पड़ता असर !

भारत में महिलाओं के लिए गर्भपात (अबॉर्शन) कराने का नया कानून मार्च 2021 में लागू हुआ, जिसके बाद गर्भावस्था के 24 हफ्ते तक अबॉर्शन कराना कानूनी रूप से संभव हो गया है, लेकिन यह सिर्फ विशेष मामलों में ही किया जा सकता है। इस नए कानून के मुताबिक, गर्भवती महिला की सेहत और बच्चे की स्थिति के आधार पर अबॉर्शन का फैसला लिया जाएगा।

अबॉर्शन का जोखिम और सेफ टाइम

गर्भपात को आमतौर पर 12 हफ्ते के भीतर करना सबसे सुरक्षित माना जाता है, क्योंकि इस समय तक भ्रूण पूरी तरह से विकसित नहीं हुआ होता और मां की सेहत पर कम असर पड़ता है। 12 हफ्ते के बाद, बच्चे का विकास शुरू हो जाता है और अबॉर्शन के दौरान जोखिम बढ़ सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार, 24 हफ्ते तक की गर्भावस्था में अबॉर्शन करने का निर्णय सिर्फ विशेष मामलों में लिया जा सकता है, जैसे कि भ्रूण में कोई गंभीर समस्या हो या मां की जान को खतरा हो।

अबॉर्शन का नया कानून

मार्च 2021 में हुए संशोधन के बाद, 12 हफ्ते तक डॉक्टर की सलाह पर अबॉर्शन कराया जा सकता है। 12 से 20 हफ्ते तक इसे डॉक्टर की सलाह और कुछ परिस्थितियों में अनुमति मिलती है, जबकि 20 से 24 हफ्ते तक विशेष मामलों में दो डॉक्टर की सलाह पर अबॉर्शन किया जा सकता है। अगर गर्भावस्था 24 हफ्ते से अधिक समय की हो और भ्रूण में कोई गंभीर समस्या हो, तो मेडिकल बोर्ड की सलाह लेनी पड़ेगी। अगर मां की जान को खतरा हो, तो डॉक्टर की सलाह से गर्भपात किया जा सकता है।

अबॉर्शन और महिलाओं की सेहत

अबॉर्शन से संबंधित जोखिम को लेकर आंकड़े भी चिंता का विषय हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, भारत में हर साल लाखों महिलाएं बिना किसी चिकित्सकीय सलाह के गर्भपात करती हैं, जिसके चलते कई महिलाओं की जान भी चली जाती है। इस लिहाज से अबॉर्शन के सुरक्षित तरीकों का पालन करना बहुत जरूरी है, ताकि महिलाओं की सेहत पर कोई बुरा असर न पड़े। महिलाओं के लिए खुद का ध्यान रखना अत्यंत महत्वपूर्ण है, खासकर जब वे मानसिक या शारीरिक रूप से कठिन दौर से गुजर रही होती हैं, जैसे गर्भपात के बाद। यहाँ कुछ तरीके हैं, जिनसे महिलाएं अपनी सेहत और भलाई का ध्यान रख सकती हैं

शारीरिक स्वच्छता का ध्यान रखें

महिलाओं को गर्भपात के बाद अपनी शारीरिक स्वच्छता पर विशेष ध्यान देना चाहिए। शरीर में होने वाले बदलावों के कारण संक्रमण का खतरा बढ़ सकता है, इसलिए दिन में कम से कम दो बार स्नान करना और आराम से सूती कपड़े पहनना जरूरी है। आंतरिक स्वच्छता के लिए गर्म पानी और हल्के साबुन का उपयोग करें, जिससे बैक्टीरिया से बचाव हो सके। पेड्स और टैम्पोन का सही तरीके से उपयोग करें और समय–समय पर बदलते रहें।

संतुलित आहार लें

गर्भपात के बाद शरीर की ताकत और ऊर्जा को पुनः प्राप्त करने के लिए सही आहार लेना महत्वपूर्ण है। ताजे फल, हरी सब्जियां, पूरे अनाज, प्रोटीन, और आयरन से भरपूर खाद्य पदार्थ जैसे दाल, पालक, और नट्स का सेवन करें। विटामिन ब और आयरन का विशेष ध्यान रखें, क्योंकि ये शरीर में रक्त निर्माण और इम्यूनिटी को बढ़ाते हैं। साथ ही, पर्याप्त पानी पिएं ताकि शरीर में पानी की कमी न हो।

मानसिक सेहत का ध्यान रखें

गर्भपात के बाद मानसिक तनाव और भावनात्मक उथल–पुथल महसूस करना सामान्य है। खुद को समय देना, आराम करना, और ध्यान (मेडिटेशन) करना मानसिक शांति प्रदान करता है। योग और गहरी सांस लेने की तकनीकें न केवल मानसिक दबाव को कम करती हैं, बल्कि शरीर को भी आराम देती हैं। अगर स्थिति बिगड़े तो किसी मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ से सलाह लें और आवश्यकतानुसार थेरेपी या काउंसलिंग करवाएं।

अच्छी नींद लें

शरीर और दिमाग की रिकवरी के लिए सही नींद बेहद महत्वपूर्ण है। नींद की कमी से शरीर पर दबाव बढ़ सकता है और मानसिक स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। महिलाओं को खासकर रात को 7–8 घंटे की अच्छी नींद लेनी चाहिए। यदि नींद में समस्या आ रही हो, तो नींद को बढ़ाने के लिए स्लीपिंग पैटर्न को नियमित करें और किसी भी प्रकार के तनाव से बचें।

हल्का व्यायाम करें

हल्का व्यायाम न केवल शारीरिक सेहत को बनाए रखने में मदद करता है, बल्कि मानसिक शांति भी प्रदान करता है। महिलाएं योग, धीमी वॉकिंग, स्ट्रेचिंग, और प्राणायाम जैसी गतिविधियों से खुद को ताजगी महसूस कर सकती हैं। ये शारीरिक स्वास्थ्य को बढ़ाते हैं, हार्मोनल बैलेंस को बनाए रखते हैं और भावनात्मक स्थिति को भी स्थिर करते हैं। ज्यादा मेहनत वाली एक्सरसाइज से बचें, खासकर अगर आपका शरीर पूरी तरह से ठीक नहीं हुआ हो।

स्वस्थ रिश्ते बनाए रखें

मनोबल और भावनात्मक सेहत के लिए सामाजिक कनेक्शन बहुत महत्वपूर्ण है। अपने परिवार, दोस्तों या किसी करीबी से नियमित बातचीत करें और समय बिताएं। यह न केवल आपकी मानसिक स्थिति को बेहतर करता है, बल्कि भावनात्मक सहारा भी देता है। अगर आप अकेलेपन का महसूस करती हैं तो नजदीकी रिश्तों से जुड़ने की कोशिश करें और मानसिक रूप से मजबूत बने रहें।

डॉक्टर के साथ नियमित चेक–अप

गर्भपात के बाद नियमित डॉक्टर के चेक–अप से यह सुनिश्चित होता है कि शारीरिक सेहत सही दिशा में जा रही है। महिलाओं को हर महीने अपने डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए और किसी भी नए लक्षण जैसे दर्द, खून का बहना, या अन्य असामान्य परिवर्तन पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। नियमित चेक–अप से कोई भी शारीरिक समस्या जल्दी पकड़ी जा सकती है और उसका इलाज समय रहते हो सकता है।

नशे से दूर रहें

गर्भपात के बाद महिलाओं को नशीली चीजों से पूरी तरह बचना चाहिए, जैसे शराब, सिगरेट, और ड्रग्स। ये न केवल शारीरिक सेहत के लिए हानिकारक हैं, बल्कि मानसिक स्थिति को भी प्रभावित कर सकते हैं। इनसे शरीर में ऊर्जा की कमी हो सकती है और भावनात्मक असंतुलन भी हो सकता है। स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए इनसे दूरी बनाए रखें। इन सरल उपायों को अपनाकर महिलाएं खुद का अच्छे से ख्याल रख सकती हैं और शारीरिक, मानसिक तथा भावनात्मक रूप से पूरी तरह से स्वस्थ रह सकती हैं। अबॉर्शन के दौरान सही समय पर चिकित्सीय मार्गदर्शन और निर्णय लेना बेहद महत्वपूर्ण है, जिससे न सिर्फ मां की सेहत सुरक्षित रहे बल्कि कानून का पालन भी हो सके।

वास्तु शास्त्र: जेब में न रखें ये 5 चीजें, वरना हो सकते हैं आर्थिक संकट का शिकार

वास्तु शास्त्र के अनुसार, हमारे जीवन में छोटी–छोटी आदतें और चीजें भी बड़ा असर डालती हैं। इनमें हमारी जेब या पर्स में रखी चीजें भी शामिल हैं। कई बार हम अनजाने में ऐसी चीजें रख लेते हैं, जो मां लक्ष्मी को नाराज कर सकती हैं और हमें आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। यहां जानिए वास्तु शास्त्र के अनुसार, वे 5 चीजें जिन्हें भूलकर भी जेब में नहीं रखना चाहिए।

कटे–फटे पर्स या नोट

वास्तु शास्त्र के अनुसार, पर्स न केवल धन रखने का स्थान है, बल्कि यह हमारी समृद्धि और वित्तीय स्थिरता का प्रतीक भी है। यदि आपका पर्स कटा–फटा, गंदा, या पुराना है, तो यह धन को आकर्षित करने की बजाय नकारात्मक ऊर्जा फैलाता है। ऐसा पर्स आपको आर्थिक तंगी की ओर ले जा सकता है। यह भी माना जाता है कि कटा–फटा पर्स अशुभ संकेत देता है और इसमें रखा धन जल्दी खर्च हो जाता है। क्या करें– हमेशा नया, साफ–सुथरा और मजबूत पर्स इस्तेमाल करें। अपने पर्स का रंग अपनी राशि और ग्रहों की स्थिति के अनुसार चुनें, क्योंकि सही रंग आर्थिक स्थिरता और सकारात्मक ऊर्जा लाता है। समय–समय पर अपने पर्स को साफ करें और उसमें अनावश्यक चीजें न रखें।

दवाइयां

दवाइयां सेहत से जुड़ी होती हैं और इनसे बीमारी की ऊर्जा जुड़ी रहती है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, दवाइयों को अपनी जेब या पर्स में रखने से यह नकारात्मक ऊर्जा का संचार करती हैं, जो न केवल आपके स्वास्थ्य को प्रभावित करती है, बल्कि आर्थिक स्थिति पर भी प्रतिकूल असर डाल सकती है। इसके अलावा, यह चिंता और तनाव का कारण बन सकती है। क्या करें– दवाइयों को हमेशा उचित स्थान पर, जैसे दवा बॉक्स में रखें। यदि बाहर जाना है, तो दवाइयों के लिए अलग से पाउच का उपयोग करें। अपने पर्स को सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर रखें।

फालतू कागज और कटे–फटे नोट

फालतू कागज और विजिटिंग कार्ड जैसी अनावश्यक चीजें आपके पर्स में जगह घेरती हैं और धन के प्रवाह को बाधित करती हैं। यह आपके वित्तीय प्रबंधन को प्रभावित कर सकती हैं और धन की बर्बादी का कारण बन सकती हैं। कटे–फटे नोट न केवल अशुभ माने जाते हैं, बल्कि ये अव्यवस्था और आर्थिक अस्थिरता का प्रतीक भी होते हैं। क्या करें– अपने पर्स में केवल आवश्यक कागजात और अच्छी स्थिति में नोट रखें। नियमित रूप से पर्स की सफाई करें और अनावश्यक चीजों को हटा दें। फालतू चीजें रखने से बचें, ताकि धन के प्रवाह में कोई रुकावट न आए।

गुस्सा या नकारात्मकता पैदा करने वाली चीजें

पर्स में ऐसी चीजें रखना, जो आपको दुखी, परेशान, या गुस्से में लाती हैं, आपकी मानसिक शांति और सकारात्मकता को खत्म कर सकती हैं। उदाहरण के लिए, किसी पुराने रिश्ते की याद दिलाने वाली वस्तुएं, फोटो, या कोई ऐसा सामान जो आपको बुरी यादों से जोड़ता हो, आपके जीवन में नकारात्मक ऊर्जा लाता है। यह न केवल आपके मन को विचलित करता है, बल्कि आपकी वित्तीय स्थिरता को भी प्रभावित कर सकता है। क्या करें– पर्स में केवल सकारात्मक ऊर्जा देने वाली चीजें रखें, जैसे शुभ प्रतीक, छोटी देवी–देवताओं की तस्वीरें, या प्रेरणादायक कोटेशन। ऐसी चीजों को निकाल दें, जो मानसिक तनाव का कारण बनती हैं।

खराब सिक्के

खराब या खोटे सिक्के वास्तु शास्त्र के अनुसार, धन के प्रवाह में रुकावट का संकेत देते हैं। यह नकारात्मक ऊर्जा फैलाते हैं और आपकी आर्थिक स्थिति को खराब कर सकते हैं। ऐसे सिक्के रखने से आपको अनचाही वित्तीय चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। क्या करें– खराब सिक्कों को तुरंत अपने पर्स या जेब से हटा दें। इन्हें मंदिर में दान कर दें या जरूरतमंदों को दें। ऐसा करने से धन के प्रवाह में सकारात्मकता बनी रहती है और मां लक्ष्मी की कृपा बनी रहती है। इन सभी बातों को अपनाकर आप अपने जीवन में सुख–समृद्धि और धन की वृद्धि कर सकते हैं। पर्स और जेब में सही चीजें रखने से न केवल आर्थिक स्थिति मजबूत होती है, बल्कि जीवन में सकारात्मक ऊर्जा भी बनी रहती है।

संक्षिप्त

कामकाज सुगम होने, निवेश विकल्प से बैंक व्यवस्था में संरचनात्मक बदलाव आया : एसबीआई

मुंबई। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के चेयरमैन सी एस शेट्टी ने कहा कि कामकाज सुगम होने और डिजिटलीकरण के साथ निवेश विकल्प से घरेलू बैंक व्यवस्था में संरचनात्मक बदलाव आ रहा है। शेट्टी ने एसबीआई के कार्यक्रम 'विकसित भारत एट 2047' में 'युवा नेताओं की भूमिका' विषय पर एक परिचर्चा में कहा, ''मुझे लगता है कि यह एक परिपक्व निवेश माहौल और डिजिटलीकरण का भी संकेत है, जिसने लोगों को बैंकों के अलावा अन्य स्थानों पर निवेश करने के लिए प्रेरित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।'' उन्होंने जमा राशि जुटाने को लेकर बढ़ती चिंताओं पर पूछे गये एक सवाल के जवाब में यह बात कही। उनसे पूछा गया था कि ज्यादातर लोग बैंकों में पैसा जमा करने के बजाय अपने पैसे के निवेश के अन्य रास्ते तलाश रहे हैं। एसबीआई चेयरमैन ने कहा कि कुछ साल पहले बैंक से जुड़े कार्य करना अधिक 'कष्टदायक' था और एसआईपी (निश्चित अवधि पर किया जाने वाला निवेश) में निवेश करना भी आसान काम नहीं था। उन्होंने कहा, ''लेकिन आज, दो क्लिक के साथ, आप राशि को बैंक खाते से सावधि जमा या एसआईपी में स्थानांतरित कर सकते हैं। इसका मतलब है कि कारोबार करने में सुगमता के साथ निवेश के अवसरों से संरचनात्मक बदलाव भी हो रहा है।'' हालांकि, शेट्टी ने कहा कि इसके बावजूद यह भी एक सच्चाई है कि पिछले दशक में बैंकों ने जमा पर ध्यान नहीं दिया। उन्होंने कहा कि कोविड महामारी के दौरान, बहुत सारे बैंक जमा नहीं चाहते थे। यह केवल एसबीआई ही था, जो इसे स्वीकार कर रहा था। ''मुझे भरोसा है कि जैसे–जैसे व्यक्ति की आय का स्तर बढ़ता है, संपत्ति आवंटन होता है।'' शेट्टी ने कहा, ''मुझे आशा और विश्वास है कि बैंक जमा महत्वपूर्ण परिसंपत्तियों में से एक होगी और इसपर वे निश्चित रूप से विचार करेंगे।

शेयर बाजार में रौनक लौटी, निवेशकों की संपत्ति में हुआ करोड़ों का इजाफा

भारतीय शेयर बाजार की शुरुआत मंगलवार को काफी अच्छी हुई है। मंगलवार को बाजार ने मंगल देखा है। निवेशकों की खरीददारी और शानदार ग्लोबल संकेतों को देखते हुए भारत में शेयर बाजार हरे निशान पर खुले है। शेयर बाजार में आई तेजी का नेतृत्व आईटी एनर्जी बैंकिंग सेक्टर के स्टॉक्स कर रहे है। सेंसेक्स इस दौरान 78,000 के पार गया है। बीएसई सेंसेक्स में 725 अंकों का उछाल आया है। सेंसेक्स अब 78083

स्तर पर पहुंच गया है। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 227 अंकों की तेजी देखने को मिली है। निफ्टी 23,681 अंक पर कारोबार कर रहा है। मंगलवार को कारोबार में सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 26 शेयरों में तेजी देखने को मिली है। चार शेयर लाल निशान पर कारोबार कर रहे है। जिन शेयरों में तेजी देखने को मिली है उसमें टाटा मोटर्स 2.18 फीसदी, एनटीपीसी 2.17 फीसदी, महिंद्रा एंड महिंद्रा 1.61 फीसदी, अडानी पोर्ट्स 1.55 फीसदी, इंफोसिस 1.47 फीसदी, टीसीएस 1.01 फीसदी, अल्ट्राटेक सीमेंट 0.89 फीसदी, टेक महिंद्रा 0.79 फीसदी, पावर ग्रिड 0.75 फीसदी की तेजी देखने को मिली है। शेयर बाजार में आई रौनक के बाद निवेशकों की संपत्ति में शानदार उछाल देखने को मिला है। बीएसई पर स्टॉक मार्केट कैप 432.96 लाख करोड़ रुपये पर है। बीते सत्र में ये स्तर 429.08 लाख करोड़ रुपये पर था। निवेशकों की संपत्ति में 3.88 लाख करोड़ रुपये का उछाल देखने को मिला है।

मेगा आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुला, निवेश के लिए करने होंगे इतने रुपये खर्च

एनटीपीसी की एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड का आईपीओ खुल गया है। ये 10,000 करोड़ रुपये का मेगा आईपीओ है, जो 19 नवंबर से खुल गया है। ये आईपीओ 22 नवंबर को बंद होगा। एनटीपीसी ग्रीन का ये आईपीओ अक्षय ऊर्जा क्षेत्र का सबसे बड़ा आईपीओ होने वाला है। इस आईपीओ के जरिए स्वच्छ ऊर्जा लक्ष्यों को हासिल किया जा सकता है। इस आईपीओ के जरिए निवेशकों को मौका मिलेगा की वो देश के ऊर्जा परिवर्तन में हिस्सेदारी ले सकें। आईपीओ के लिए मूल्य बैंड 102–108 रुपये पर तय किया गया है। निवेशक आईपीओ के जरिए बोली लगा सकते है। खुदरा निवेशकों को न्यूनतम 14,904 रुपये का निवेश करना होगा। वहीं अधिकतम निवेश की राशि 1,93,752 रुपये है जो 13 लॉट के लिए होगी। आईपीओ में 92.59 करोड़ इक्विटी शेयर का नया मुद्दा शामिल है। इसमें बिक्री को लेकर कोई ऑफर नहीं दिया गया है।

– योग्य संस्थागत खरीदार (क्यूआईबी): शुद्ध निर्गम का 75 प्रतिशत।

– गैर–संस्थागत निवेशक (एनआईआई): शुद्ध निर्गम का 15 प्रतिशत।

– खुदरा निवेशकः शुद्ध निर्गम का 10 प्रतिशत।

– कर्मचारियों के लिए 200 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर आरक्षित हैं, जो अंतिम मूल्य पर 5 रुपये की छूट पर पेश किए गए हैं; इसके अतिरिक्त, एनटीपीसी के शेयरधारकों के लिए 1,000 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर आरक्षित हैं। बता दें कि एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी ने 3,960 करोड़ रुपये जुटाए थे। एनटीपीसी ने इसके जरिए 108 रुपये प्रति शेयर के हिसाब से 36.67 करोड़ इक्विटी शेयर प्रमुख निवेशकों को आवंटित किए गए थे। प्रमुख वैश्विक एंकर निवेशकों में गोल्डमैन सैक्स, मॉर्गन स्टेनली, सिंगापुर सरकार और अबू धाबी निवेश प्राधिकरण शामिल हैं।

'न्यूजीलैंड के खिलाफ हार के बाद...', रवि शास्त्री ने टीम इंडिया को पैर जमीन पर रखने की दी सलाह

पर्थ। भारत के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने कहा कि टीम को घरेलू मैदान पर न्यूजीलैंड से मिली अभूतपूर्व हार को पीछे छोड़ने के लिए ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले दो टेस्ट मैचों में अच्छी शुरुआत करने की जरूरत है। इस पूर्व हरफनमौला ने कहा कि भारतीय टीम को न्यूजीलैंड के खिलाफ थोड़ा अत्ममुग्धश होने का खामियाजा भुगतना पड़ा था। भारतीय टीम 12 साल और 18 सीरीज के बाद स्वदेश में मिली पहली शिकस्त से निराश होगी। शास्त्री ने आईसीसी रिव्यू से कहा, भारत न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में उस हार से उबर रहा होगा क्योंकि उन्होंने इस तरह के परिणाम के बारे में नहीं सोचा होगा। टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ आत्ममुग्ध थी और उन्होंने इसकी कीमत चुकाई। इस तरह के परिणाम के बावजूद यह ऐसी टीम है जिस पर सभी को गर्व है। शास्त्री ने कहा, टीम निराश होगी और जल्द ही इस निराशा को पीछे छोड़ना चाहेगी। ऐसी सीरीज से वापसी करने का सबसे अच्छा तरीका यह है कि शुरुआती मैचों में बेहतर खेल दिखाये। ऐसे में पहले दो टेस्ट मैच बेहद महत्वपूर्ण हो जाते हैं। शास्त्री ने कहा कि गौतम गंभीर की अगुवाई वाली कोचिंग टीम को यह सुनिश्चित करना होगा कि 22 नवंबर से ऑप्टस स्टेडियम में शुरू होने वाली पांच मैचों की सीरीज के लिए खिलाड़ियों की मानसिकता मजबूत हो। उन्होंने कहा, सबसे महत्वपूर्ण बात यह सुनिश्चित करना होगा कि वे अच्छी शुरुआत करें। वे खिलाड़ियों को अच्छी मानसिक स्थिति में रखे। यह कोच के लिए सबसे महत्वपूर्ण बात होगी। शास्त्री 2018–19 और 2020–21 में सीरीज जीत के दौरान भारत के मुख्य कोच थे। उन्होंने कहा कि भारतीय खिलाड़ियों को पिछली सफलता से प्रेरणा लेने की जरूरत है। उन्होंने कहा, 'आत्मविश्वास के लिहाज से यह उनके दिमाग में चल रहा है। आप नकारात्मक चीजों की ओर नहीं जा सकते। सकारात्मक चीजों के बारे में सोचें।' उन्होंने कहा, 'आप हालिया परिणामों को छोड़कर उन चीजों पर ध्यान दें जो आपने ऑस्ट्रेलिया के पिछले दौरों पर हासिल की।'

शास्त्री ने कहा कि गौतम गंभीर की अगुवाई वाली कोचिंग टीम को यह सुनिश्चित करना होगा कि 22 नवंबर से ऑप्टस स्टेडियम में शुरू होने वाली पांच मैचों की सीरीज के लिए खिलाड़ियों की मानसिकता मजबूत हो।

कोहली की सफलता पर टिका मध्यक्रम, ऑस्ट्रेलिया में खूब बोला है विराट का बल्ला, देखें आंकड़े

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी में भारतीय मध्यक्रम का दारोमदार अनुभवी विराट कोहली की सफलता पर निर्भर करेगा। विराट इस वर्ष फॉर्म में नहीं हैं, बीते पांच वर्षों में उनके बल्ले से सिर्फ दो टेस्ट शतक निकले हैं। बावजूद इसके ऑस्ट्रेलियाई धरती पर उनका शानदार रिकॉर्ड भारतीय मध्यक्रम की सफलता ताना–बाना उनके इर्द–गिर्द बुन रहा है। दिग्गज सुनील गावस्कर ने भी स्पष्ट कर दिया है कि ऑस्ट्रेलिया में सफल रिकॉर्ड रनों के भूखे विराट का आत्मविश्वास वापस लाने का काम करेगा। विराट ने अब तक ऑस्ट्रेलिया के चार दौरे किए हैं। चारों में ही उनका प्रदर्शन शानदार रहा है। ऑस्ट्रेलिया में विराट को रन बनाना भी पसंद है। अन्य किसी देश के मुकाबले विदेशी धरती पर सबसे ज्यादा रन विराट ने ऑस्ट्रेलिया में ही बनाए हैं। उन्होंने इस देश के खिलाफ कुल आठ शतक लगाए हैं, जिसमें छह ऑस्ट्रेलिया में लगाए गए हैं। गावस्कर का कहना है कि विराट ने न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में रन नहीं बनाए हैं, इसलिए वह रनों के लिए भूखे हैं। उनका ऑस्ट्रेलिया धरती पर शानदार रिकॉर्ड उनका आत्मविश्वास बढ़ाएगा, जो उनके फॉर्म में लौटने में सहायक रहेगा। गावस्कर 2020 के एडिलेड टेस्ट के बारे में कहते हैं, यहां भारत 36 रन पर आउट हो गया था। यहां भी पहली पारी में विराट ने 74 रन बनाए थे। उनका ऑस्ट्रेलिया में 54.08 का शानदार औसत है। सिर्फ एडिलेड ही नहीं पर्थ में भी उन्होंने 2018 में 123 रन की बड़ी पारी खेली थी। वह ऑस्ट्रेलिया के सभी मैदानों पर अच्छा प्रदर्शन कर चुके हैं, यही उनके काम आएगा। शुरुआत में विराट को भाग्य का साथ मिला तो वह भारतीय मध्यक्रम का बेड़ा पार लगाएंगे। कोहली बीते चार से पांच वर्षों में विदेश ही नहीं बल्कि देश की धरती पर भी जूझ रहे हैं। उन्होंने पांच वर्षों में 60 टेस्ट पारियों में दो शतक और 11 अर्धशतक ही लगाए हैं। इस वर्ष 6 टेस्ट में उनका औसत 22.72 का रहा है, जिसमें सिर्फ एक अर्धशतक शामिल है। न्यूजीलैंड के खिलाफ वह तीन टेस्ट में सिर्फ 93 रन बना पाए। यही कारण है कि पांच टेस्ट मैचों की इस महत्वपूर्ण सीरीज में उनकी सफलता मध्यक्रम के लिए काफी अहम रहेगी। अगर विराट एकबार फिर मध्यक्रम में विफल रहे तो इसका भारतीय टीम के प्रदर्शन पर बड़ा असर पड़ेगा। पूर्व टेस्ट क्रिकेटर संजय मांजरेकर भी मानते हैं कि ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज विराट को निशाना बनाकर रखेंगे और उनके गिरे हुए आत्वविश्वास का फायदा उठाने की कोशिश करेंगे।

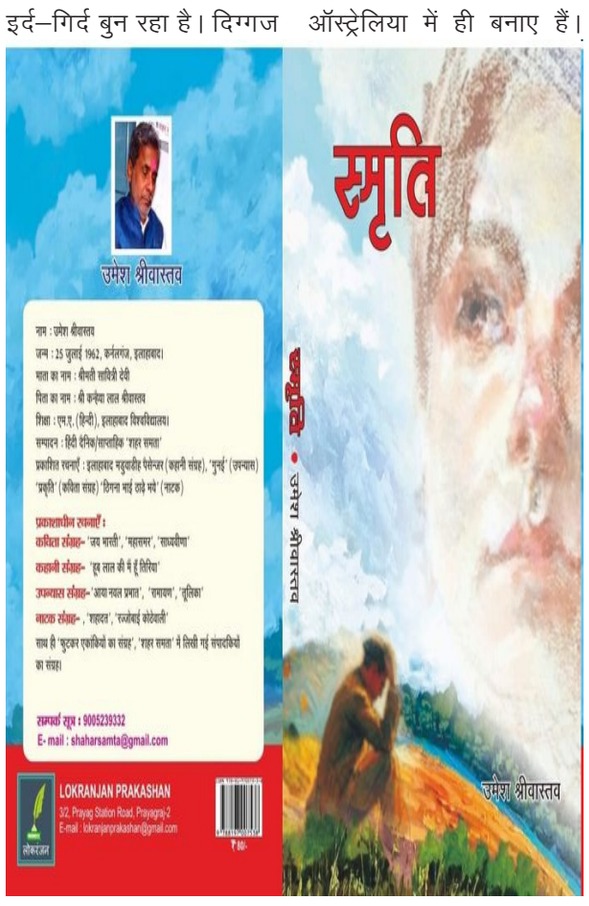

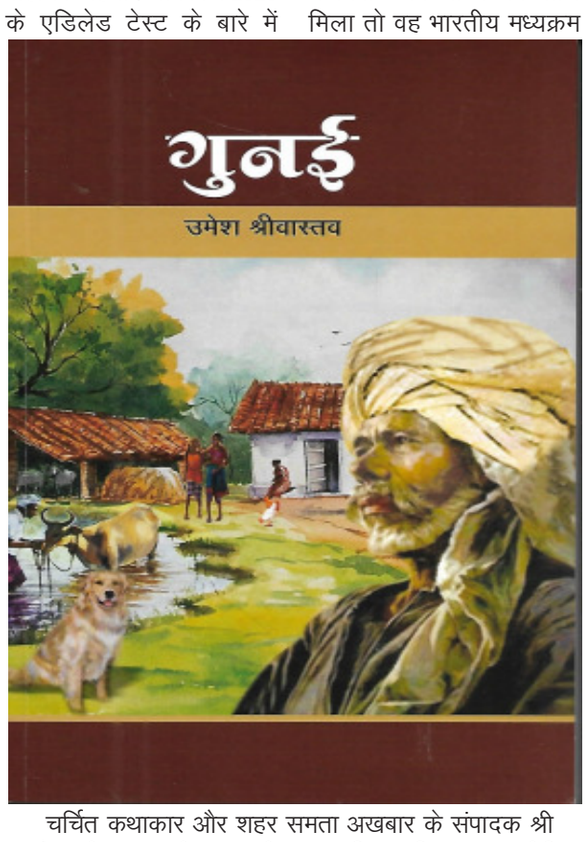

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

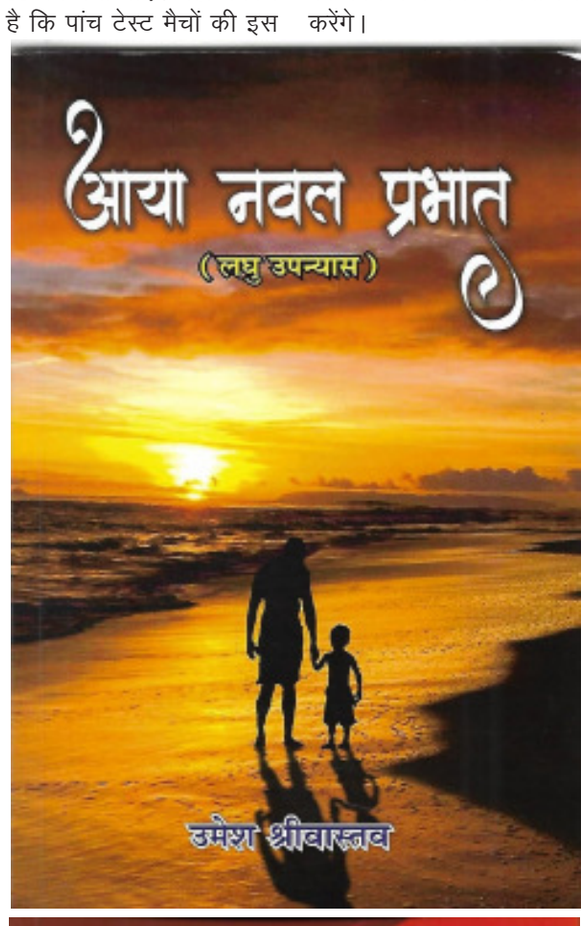

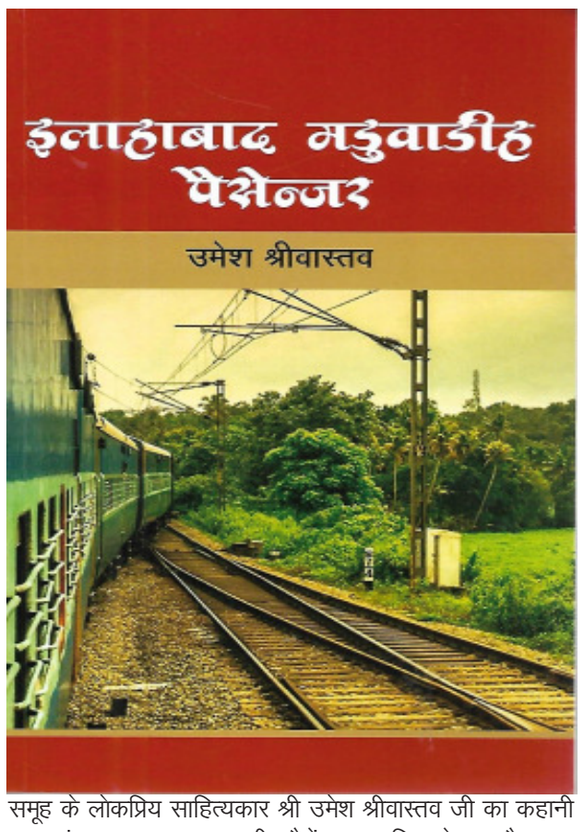

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

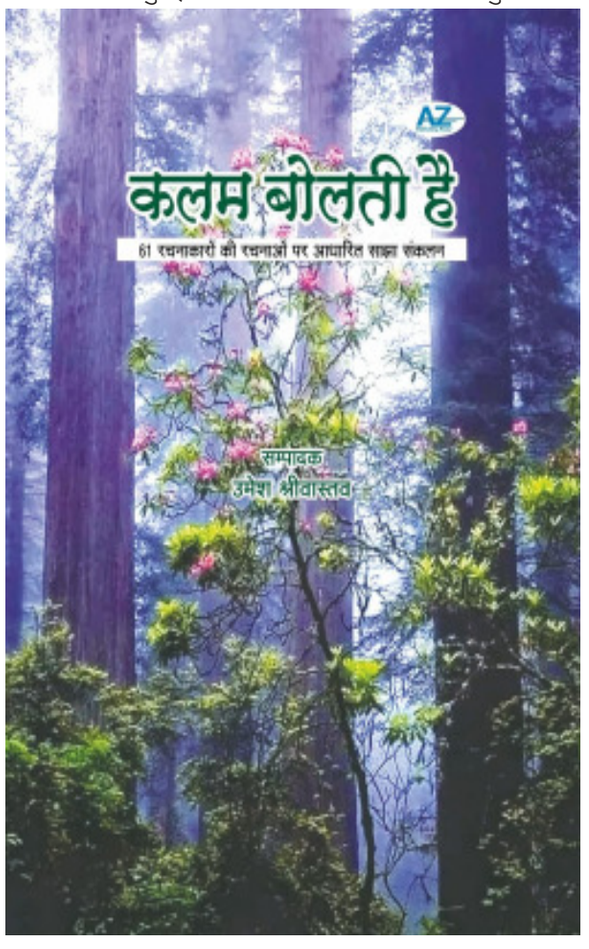

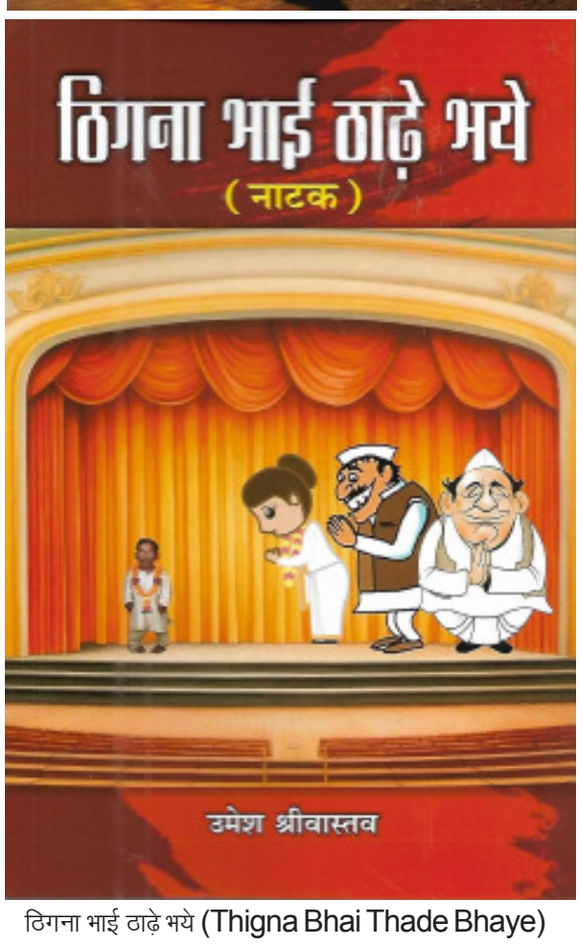

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

चेहरे पर जबरदस्त मुस्कुराहट लिए पीएम मोदी से मिली इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी

जी 20 की बैठक में हिस्सा लेने के लिए इस बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ब्राजील पहुंचे हैं। ब्राजील में जबरदस्त सम्मेलन का आगाज हो गया है। प्रधानमंत्री मोदी का जोरदार स्वागत हुआ। ग्रुप फोटो भी हुई और ऐतिहासिक बैठक जिसका सभी को इंतजार था वो भी संपन्न हो गई। इसी बैठक के बाद द्विपक्षीय बैठकों का सिलसिला भी शुरू हुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक के बाद एक बड़े देशों के साथ द्विपक्षीय बैठकों को पूरा किया। इसमें एक देश इटली भी था। इटली की प्रधानमंत्री ज़र्जिया मेलोनी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हाथ मिलाकर जोरदार स्वागत किया। बड़ी मुस्कुराहट के साथ दोनों ने एक दूसरे का अभिवादन भी स्वीकार किया। ब्राजील में हो रही जी20 बैठक से इतर आई तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। ये तस्वीर मोदी और मेलोनी के चाहने वालों को मेलोडी मूवमेंट दे रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ब्राजील के रियो डि जिनरो में जी 20 शिखर सम्मेलन के दौरान अपनी समकक्ष जॉर्जिया मेलोनी के साथ द्विपक्षीय बैठक की है। बैठक के दौरान दोनों नेताओं ने सांस्कृतिक और पब्लिक रिलेशन मजबूत करने के साथ साथ व्यापार निवेशक और प्रौद्योगिकी में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की है। बैठक के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफ़ार्म एक्स पर एक पोस्ट भी किया। इस पोस्ट में उन्होंने बैठक की तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा कि रियो डी जेनेरियो जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी से मिलकर खुशी हुई। हमारी बातचीत रक्षा, सुरक्षा, व्यापार और प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में संबंधों को गहरा करने पर केंद्रित रही। हमने संस्कृति, शिक्षा और इस प्रकार के अन्य क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के बारे में भी बात की। भारत–इटली की दोस्ती ग्रह को बेहतर बनाने में बहुत योगदान दे सकती है। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने भी बैठक के बारे में एक्स पर पोस्ट किया। मंत्रालय ने कहा कि रणनीतिक साझेदारी मजबूत हो रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रियो में जी20 ब्राजील शिखर सम्मेलन के इतर इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी से मुलाकात की। विदेश मंत्रालय ने कहा कि दोनों नेताओं ने दीर्घकालिक भारत–इटली द्विपक्षीय संबंधों को और आगे बढ़ाने तथा इसमें गति प्रदान करने के लिए भारत–इटली संयुक्त रणनीतिक कार्य योजना 2025–29 का स्वागत किया मोदी से मुलाकात को हमेशा ही बहुत खुशी प्रदान करने वाला पल बताते हुए मेलोनी ने इस बैठक को बातचीत के लिए अनमोल अवसर बताया, जिससे दोनों देशों को कार्ययोजना की घोषणा के साथ भारत–इटली रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए अपनी साझा प्रतिबद्धता की पुष्टि करने का अवसर मिला।

संक्षिप्त

खालिस्तानियों को खत्म करने के लिए भारत के साथ आया न्यूजीलैंड

न्यूजीलैंड। झूठ के पांव नहीं होते हैं और जब सच सामने आता है तो झूठ का सिर झुक जाता है। अब जो खबर आई है वो इसी कहावत को सच साबित कर रही है। हाल ही में न्यूजीलैंड में हुए खालिस्तान के तथाकथित जनमत संग्रह पर न्यूजीलैंड की सरकार की प्रतिक्रिया ने ये साबित कर दिया कि झूठ और नफरत फैलाने वालों की सच्चाई ज्यादा दिन तक छुप नहीं सकती। न्यूजीलैड की सरकार ने खालिस्तानी समर्थन संगठन सिख फॉर जस्टिस यानी एसएफजे के एजेंडे को सिरे से खारिज करते हुए भारत की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता को सम्मान देने की बात कही। खालिस्तानी संगठन एसएफजे जिसे भारत में अनलॉफुल एक्टिविटी एक्ट यूएपीए के तहत प्रतिबंधित किया गया है। दुनिया के अलग अलग देशों में ऐसे जनमत संग्रह आयोजित करा रहा है। इससे पहले कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन जैसे देशों में भी इस संगठन ने इसी तरह के शो आयोजित किए जो कि भारत विरोधी एजेंडे का हिस्सा हैं। न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में एसएफजे ने अपने समर्थन में इस तथाकथित जनमत संग्रह का आयोजन किया। हालांकि न्यूजीलैंड की सरकार ने तुरंत स्पष्ट कर दिया कि ऐसे आयोजन उनकी नीति और अंतरराष्ट्रीय संबंधों के विरूद्ध हैं। न्यूजीलैंड की सरकार ने कहा कि हम भारत की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करते हैं। हम मानवाधिकार का समर्थक भी हैं। लेकिन वहीं वैद्य और शांतिपूर्ण होने चाहिए। ये प्रतिक्रिया स्पष्ट रूप से दिखाती है कि खालिस्तानी एजेंडा न केवल गैर कानूनी है बल्कि इसे अंतरराष्ट्रीय मंच पर भी कोई समर्थन नहीं मिल रहा है। खालिस्तान के इस कथाकथित जनमत संग्रह को कवर करने में पाकिस्तानी मीडिया ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी। पाकिस्तानी चौनलों ने इसे बढ़ा चढ़ाकर पेश करने की कोशिश की। लेकिन सच्चाई ये है कि ये केवल भारत विरोधी दुस्प्रचार का हिस्सा है। पाकिस्तान जो खुद बलूचिस्तान और अन्य प्रांतों में मानवाधिकारों का हनन कर रहा, वो ऐसे झूठे अभियानों के जरिए ध्यान भटकाना चाह रहा है। भारत और न्यूजीलैंड के संबंध हमेशा से सकारात्मक और मजबूत रहे हैं। हाल ही में विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर और न्यूजीलैंड के विदेश मंत्री पीटर्स के बीच कई बैठके हुई। न्यूजीलैंड के विदेश मंत्रालय ने कहा कि वह तथाकथित श्जनमत संग्रहश से अवगत है और जबकि देश ष्घर और दुनिया भर में मानवाधिकारों का एक मजबूत समर्थकष है, बशर्ते ऐसी पहल वैध और शांतिपूर्ण हो। एसएफजे कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और यूके जैसे अन्य देशों में इसी तरह के जनमत संग्रह कराता रहा है। विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर और न्यूजीलैंड के विदेश मंत्री विंस्टन पीटर्स की इस साल कई बार मुलाकात हुई, जिसमें इस महीने की शुरुआत भी शामिल है। बातचीत के प्रमुख क्षेत्र शिक्षा, प्रौद्योगिकी, कृषि, गतिशीलता और भारत–प्रशांत की स्थिति पर रहे हैं।

पीटीआई के प्रदर्शन से पहले शहबाज सरकार का बड़ा फैसला, इस्लामाबाद में सार्वजनिक सभाओं पर दो महीने तक रोक

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की संघीय सरकार ने पीटीआई के 24 नवंबर को इस्लामाबाद में होने वाले विरोध प्रदर्शन से पहले राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में सभी प्रकार की सार्वजनिक सभाओं पर दो महीने का प्रतिबंध लगा दिया है। यह कदम उस समय उठाया गया है, जब पीटीआई ने जेल में बंद अपने नेता इमरान खान की रिहाई के लिए विरोध प्रदर्शन का एलान किया है। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ (पीटीआई) ने पिछले हफ्ते 24 नवंबर को विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया था, ताकि सरकार पर दबाव डाला जा सके और उनके जेल में बंद नेता को रिहा किया जा सके। इमरान एक साल से ज्यादा समय से जेल में बंद हैं। शहबाज शरीफ सरकार ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए इस्लामाबाद में धारा 144 लागू कर दी है। यह ब्रिटिश काल का कानून है, जो सार्वजनिक सभाओं पर रोक लगाता है। इस्लामाबाद के जिला मजिस्ट्रेट उस्मान अशरफ की ओर से सोमवार को आदेश जारी किया गया। जिसमें कहा गया है कि राजधानी क्षेत्र में धारा 144 को लागू किया गया है, क्योंकि कुछ सामाजिक वर्गों की ओर अवैध सभाओं का आजोजन किया जा रहा है, जो सार्वजनिक शांति और व्यवस्था को बिगाड़ सकते हैं। इस आदेश के तहत, पांच या उससे अधिक लोगों के एकत्र होने पर प्रतिबंध लगाया गया है। इसके अलावा, इस आदेश में आपत्तिजनक या सांप्रदायिक भाषणों पर भी रोक लगाई गई है। साथ ही किसी भी प्रकार के सार्वजनिक प्रदर्शन, पटाखे जलाने, हथियारों को दिखाने और पोस्टर लगाने पर भी प्रतिबंध लगाया गया है। आदेश में कहा गया है कि यह प्रतिबंध दो महीने तक रहेंगे, जब तक इसे रद्द नहीं किया जाता या बढ़ाया नहीं जाता।

वालमार्ट स्टोर के ओवन में जलकर मरने वाली भारतीय लड़की की मौत पर संशय बरकरार, पुलिस ने भी खड़े किए हाथ

कनाडा। कनाडा के हुई एक भारतीय युवती की मौत के मामले में कनाडा पुलिस ने अपनी जांच पूरी कर ली है। पुलिस ने अपने बयान में कहा है कि युवती की मौत में किसी दूसरे व्यक्ति की संलिप्तता के सबूत नहीं मिले हैं। गौरतलब है कि बीते अक्तूबर में कनाडा के वालमार्ट के एक स्टोर में भारतीय युवती गुरसिमरन कौर की लाश मिली थी। यह लाश स्टोर में बिक्री के लिए रखे एक ओवन में जली हुई हालत में मिली थी। अब कनाडा पुलिस ने अपनी जांच के बाद गुरसिमरन की मौत में किसी दूसरे व्यक्ति के शामिल होने की आशंका से इनकार कर दिया है। पुलिस ने कहा कि किसी तरह की साजिश के उन्हें सबूत नहीं मिले हैं। पुलिस ने कहा कि हम जानते हैं कि घटना को लेकर कई सवाल हैं कि आखिर उस वक्त क्या हुआ था। लेकिन जांच, कई लोगों से पूछताछ और वीडियो फुटेज देखने के बाद हम कह सकते हैं कि घटना में कोई संदिग्ध नहीं है। हमें नहीं लगता कि घटना में कोई दूसरा व्यक्ति शामिल था।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

पाकिस्तानी जहाज से छुड़ा लाए सात भारतीय मछुआरे, इंडियन कोस्ट गार्ड ने समुद्र में दिखाया अपना पराक्रम

भारतीय तटरक्षक बलों ने एक बड़ा एक्शन किया है। खबर है कि इंडियन कोस्ट गार्ड के जहाज ने 17 नवंबर को सात भारतीय मछुआरों को बचा लिया। पाकिस्तानी मेरीटाइम सिक्योरिटी एजेंसी का जहाज पीएमएस नुसरत इन मछुआरों को जबरदस्ती गिरफ्तार करके अपनी सीमा पर ले जा रहा था। यानी भारत और पाकिस्तान सीमा के पास से इन मछुआरों को पकड़ रहा था। 17 नवंबर 2024 की दोपहर साढ़े तीन बजे भारतीय तटरक्षक बल के जहाज आईसीजी अग्रिम के पास एक इमरजेंसी कॉल आया। ये एक डिस्ट्रेस कॉल थी यानी मदद के लिए बुलावा। ये कॉल भारतीय फिशिंग बोर्ट काल भैरव से आई थी। जो नो फिशिंग जोन के पास मछली पकड़ रहा था। इसी पाकिस्तानी जहाज ने इंटरसेप्ट कर रोक लिया। उसके बाद उस पर मौजूद सात मछुआरों को पकड़कर वे पाकिस्तान ले जाने का प्लान कर रहे थे। लेकिन आईसीजी की अग्रिम ने फुल स्पीड में जाकर पाकिस्तानी जहाज नुसरत को रोका। दो घंटे तक चूहा बिल्ली की तरह समुद्र में रेस चलती रही। इसके बाद पाकिस्तानी जहाज को कहा गया कि भारतीय मछुआरों को छोड़ दिया जाए। आखिरकार धमकी और समझाइस काम आई। पाकिस्तानी जहाज ने नाव और मछुआरों को छोड़ा। लेकिन काल भैरव नाव टूट गई और समुद्र में ही डूब गई। इसके बाद आईसीजी अग्रिम जहाज मछुआरों को लेकर गुजरात के ओखा बंदरगाह पर 18 नवंबर को वापस आई है। अब खुफिया एजेंसियां, राज्य की पुलिस मछुआरों से पूछताछ कर रही हैं। साथ ही ये रिपोर्ट भी तैयार की जा रही है कि ये टकराव समुद्र में हुआ कैसे। लेकिन जिस तरह से भारतीय तट रक्षक बलों ने पाकिस्तान के आगे अपना एक्शन दिखाया। अधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि तटरक्षक बल को रविवार दोपहर को मछली पकड़ने के लिए निषिद्ध क्षेत्र (एनएफजेड) के पास काम कर रही एक भारतीय मछली पकड़ने वाली नाव से संकटकालीन संकेत प्राप्त हुआ, जिसके बाद बचाव अभियान के लिए एक जहाज भेजा गया। इसमें कहा गया कि आईसीजी जहाज ने पीएमएसए जहाज को रोका और उन्हें भारतीय मछुआरों को छोड़ने के लिए राजी किया। आईसीजी जहाज सात मछुआरों को सुरक्षित वापस लाने में सफल रहा, जिनकी चिकित्सा स्थिति स्थिर पाई गई। तटीय सुरक्षा एजेंसी ने बताया कि हालांकि, घटना के दौरान भारतीय मछली पकड़ने वाली नाव काल भैरव क्षतिग्रस्त हो गई और डूब गई।

यूक्रेन-रूस युद्ध के 1000 दिन; 'यह समय शांति हासिल करने का', बर्बादी के बीच समय की मांग

यूक्रेन पर रूसी सैन्य बलों के आक्रमण को एक हजार दिन पूरे हो रहे हैं। मगर देश में लाखों नागरिक अब भी व्यापक पैमाने पर मौतों, विध्वंस और हताशा से जूझ रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र में राजनैतिक एवं शांतिनिर्माण मामलों के लिए प्रमुख रोजमैरी डीकार्लो ने सोमवार को सुरक्षा परिषद की बैठक को संबोधित करते हुए हिंसक टकराव का अंत करने के लिए राजनैतिक इच्छाशक्ति व एकजुट प्रयासों का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि रूसी महासंघ ने फरवरी 2022 में पूर्ण स्तर पर यूक्रेन पर यह आक्रमण, संयुक्त राष्ट्र चार्टर व अन्तरराष्ट्रीय क़ानून का खुलेआम उल्लंघन करते हुए किया था। एक हजार दिन बीत चुके हैं, यह युद्ध जारी है, बिना रुके। घातक लड़ाई पूर्वी व दक्षिणी यूक्रेन के ज्यादा से ज्यादा हिस्सों को अपने लपेटे में ले रही है। व्यापक मौतों, तबाही और हताशा के 1,000 दिन, जोकि लाखों यूक्रेनी नागरिकों के लिए बदस्तूर जारी हैं। अब तक कम से कम 12 हजार 164 आम लोग मारे जा चुके हैं, जिनमें 600 से अधिक बच्चे हैं। 26 हजार से अधिक घायल हुए हैं, लेकिन हताहतों का वास्तविक आंकड़ा इससे कहीं अधिक होने की आशंका है। यूएन अवर महासचिव रोजमैरी डीकार्लो ने बताया कि इस सप्ताहांत रूस ने यूक्रेन के सभी क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर हवाई हमले किए। 120 मिसाइलों व 90 ड्रोन के जरिये ऊर्जा प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया गया, जिससे जान–माल का भीषण नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन में अति–महत्वपूर्ण नागरिक व ऊर्जा प्रतिष्ठानों को व्यवस्थागत ढंग से निशाना बनाया जा रहा है, उन्हें तबाह किया जा रहा है, जोकि अनेक यूक्रेनी नागरिकों को बुनियादी आवश्यकताओं से वंचित कर रहा है। करीब 580 मेडिकल केंद्र क्षतिग्रस्त या बर्बाद हुए हैं और बड़ी संख्या में चिकित्साकर्मियों व अग्रिम मोर्चे पर डटे राहतकर्मियों के हताहत होने की खबरें हैं। कम से कम 1,358 शैक्षणिक केंद्रों को नुकसान पहुंचा है। उन्होंने बीती रात मीडिया में खबरों के हवाले से कहा कि यूक्रेन के सहयोगी देशों ने रूस के भीतर लम्बी दूरी से मिसाइल हमलों के लिए हथियारों के इस्तेमाल को स्वीकृति दी है। इसके मद्देनजर रोजमैरी डीकार्लो ने जोर देकर कहा कि सभी पक्षों को आम नागरिकों की सुरक्षा, उनका बचाव सुनिश्चित करना होगा, भले ही वे कहीं भी हों।

विध्वंस के बीच सहायता प्रयास

अवर महासचिव ने चिंता जताई कि यूक्रेन युद्ध से पर्यावरण को गहरा नुकसान पहुंचा है। कखोवा बांध के ध्वस्त होने से आई से स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्रों व यूक्रेन में कृषि को क्षति हुई है। यूक्रेन अब उन देशों की सूची में हैं, जहां बड़े पैमाने पर बारूरी सुरंग का इस्तेमाल किया गया है। एक अनुमान के अनुसार, देश के एक चौथाई हिस्से में बारूदी सुरंग बिछी होने की आशंका है, जोकि स्विट्जरलैंड के आकार का चार गुना क्षेत्र है। देश में लाखों आम नागरिक जीवनरक्षक सहायता पर निर्भर हैं। 40 लाख से अधिक लोग यूक्रेन की सीमाओं के भीतर ही विस्थापन का शिकार हुए हैं, जबकि 68 लाख लोगों ने अन्य देशों में शरण ली है। यूएन की वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यूक्रेन में पुनर्निर्माण व पुनर्बहाली प्रयासों के लिए संयुक्त राष्ट्र एजेंसियां पूर्ण रूप से मुस्तैद हैं, और देश के ऊर्जा प्रतिष्ठानों को सहनसक्षम बनाने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। फिलहाल सर्दी के मौसम में युद्धग्रस्त इलाकों में फंसे लोगों तक जरूरी सहायता पहुंचाने की कोशिशें हो रही हैं, जिसके लिए पर्याप्त संसाधन की आवश्यकता है।

टकराव बढ़ने का जोखिम

रोजमैरी डीकार्लो ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय की गम्भीर चिंताओं के बावजूद, परमाणु हादसे का जोखिम वास्तविक है। यूरोप के सबसे बड़े परमाणु ऊर्जा प्लांट व अन्य संवेदनशील स्थानों पर सैन्य गतिविधि होने की खबरें हैं। ऐसी किसी भी घटना के नतीजे विनाशकारी होंगे और इस आशंका से हम सभी को भयभीत होना चाहिए। सभी पक्षों के लिए यह अनिवार्य है कि परमाणु सुरक्षा व सलामती के लिए जिम्मेदारी के साथ कदम उठाए जाएं। अवर महासचिव ने कहा कि हाल ही में कोरिया लोकतांत्रिक जनगणराज्य (डीपीआरके) के हजारों सैनिकों को हिंसक टकराव से प्रभावित इलाकों में तैनात किए जाने और उनके लड़ाई में शामिल होने की खबरें हैं। यह आग को और भड़काने का काम करेगा, जिससे यह विस्फोटक और भड़केगा व इसका अंतरराष्ट्रीयकरण होगा।

पुतिन ने नई परमाणु नीति पर किए हस्ताक्षर, बाइडन के फैसले से एटमी जंग के मुहाने पर दुनिया?

मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने मंगलवार को एक अहम फैसले के तहत संशोधित परमाणु नीति पर हस्ताक्षर किए हैं। इस नई नीति के तहत अगर कोई देश किसी परमाणु युद्ध संपन्न देश की मदद से रूस पर हमला करता है तो इसे देश पर संयुक्त हमला माना जाएगा और उस स्थिति में रूस की सरकार परमाणु हथियार का इस्तेमाल कर सकेगी। हालांकि इस स्थिति में कुछ शर्तें भी जोड़ी गई हैं। पुतिन का यह फैसला रूस–यूक्रेन युद्ध के एक हजार दिन पूरे होने के अवसर पर सामने आया है।

जो बाइडन के फैसले ने बढ़ाया परमाणु युद्ध का खतरा?

अमेरिका में जो बाइडन की सरकार ने जाते जाते यूक्रेन को लंबी दूरी की मिसाइलों से रूस के भीतर हमले की मंजूरी दे दी है। इस पर रूस ने कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए मुंहतोड़ जवाब देने की बात कही थी। पुतिन द्वारा संशोधित परमाणु नीति पर हस्ताक्षर के कदम को भी बाइडन के फैसले का ही जवाब माना जा रहा है। रूस की नई परमाणु नीति में ये प्रावधान किया गया है कि रूस पर अगर बड़े पैमाने पर हवाई हमला होता है तो उसके जवाब में रूस परमाणु हथियार का इस्तेमाल कर सकता है। उल्लेखनीय है कि यूक्रेन की सेना द्वारा अमेरिकी की लंबी दूरी की मिसाइलों का इस्तेमाल पहले भी किया जा रहा था, लेकिन ये इस्तेमाल सिर्फ सीमावर्ती इलाकों तक सीमित था। अब सत्ता से जाते जाते बाइडन ने बड़ा फैसला लेते हुए यूक्रेन को रूस के भीतर भी लंबी दूरी की मिसाइलों से हमले की मंजूरी दे दी है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस मंजूरी से रूस के सैन्य अड्डे, सैनिक प्रतिष्ठान और अन्य अहम ठिकानें यूक्रेन के निशाने पर आ गए हैं। इससे रूस–यूक्रेन युद्ध की पूरी तस्वीर बदल सकती है। रूस ने अमेरिका के इस कदम की आलोचना करते हुए इसे रूस युद्ध भड़काने की कोशिश करार दिया।

नई नीति में किए गए हैं ये बदलाव

रूस की पूर्व की परमाणु नीति के तहत सिर्फ रूस या इसके सहयोगियों पर बैलिस्टिक मिसाइल के हमले की विश्वसनीय सूचना के बाद ही रूस परमाणु हथियारों का इस्तेमाल कर सकता था, लेकिन अब नई नीति के तहत बैलिस्टिक मिसाइल के साथ ही, क्रूज मिसाइल, बड़े पैमाने पर ड्रोन हमले या अन्य उड़ने वाले वाहनों के जरिए हमले की स्थिति में भी परमाणु हथियार के इस्तेमाल की मंजूरी दी गई है। खास बात ये है कि पुरानी नीति में रूस के सहयोगी बेलारूस पर हमले की स्थिति में भी रूस द्वारा परमाणु हथियारों का इस्तेमाल करने का प्रावधान था, लेकिन संशोधित नीति में ये प्रावधान हटा दिया गया है।

न्यूयॉर्क में चाकू से हमले में दो की मौत, एक घायल; पुलिस ने संदिग्ध को किया गिरफ्तार

न्यूयॉर्क। न्यूयॉर्क सिटी पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है, जिसने मैनहट्टन में कथित तौर पर चाकू से हमले में दो लोगों की हत्या कर दी और तीसरे को गंभीर रूप से घायल कर दिया। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। न्यूयॉर्क के पुलिस विभाग (एनवाईपीडी) के मुताबिक, हमला सोमवार की सुबह हुआ। एक 36 वर्षीय व्यक्ति को सुबह 8.20 बजे चाकू से गोदा गया। यह हमला एक निर्माण स्थल पर हुआ, जहां व्यक्ति 19वीं स्ट्रीट पर काम कर रहा था। पहले हमले के करीब दो घंटे बाद ईस्ट 30वीं स्ट्रीट पर एक 68 वर्षीय व्यक्ति को कई बार चाकू से गोदा गया, जिससे उसकी मौत हो गई। तीसरा हमला सुबह करीब 11 बजे हुआ। एक महिला को मिडटाउन में 42वीं स्ट्रीट पर चाकू मारा गया।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।